वर्ष : 34 ▸ अंक :209 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल ▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

▸▸ सेना और NDRF ने संभाला मोर्चा

▸▸ भारी बारिश, भूस्खलन और भूटान के बांध से पानी छोड़े जाने के कारण बिगड़े हालात

उत्तर बंगाल में बारिश बाढ़ से तबाही

एजेंसी । कोलकाता/ दार्जिलिंग

उत्तर बंगाल इन दिनों भीषण बारिश और बाढ़ से जूझ रहा है। भारी वर्षा के कारण दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और डूआर्स क्षेत्र में भूस्खलन, सड़कें टूटने और पुल बह जाने जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अब तक 27 लोगों की जान जा चुकी है और कई गांव शेष क्षेत्र से कट चुके हैं। हालात को गंभीरता से लेते हुए सेना, एनडीआरएफ और राज्य पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। केंद्र सरकार के निर्देश पर सेना की एक टीम दुदिया पहुंच चुकी है, जिसे क्षेत्र में अस्थायी पुल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेना के इंजीनियरिंग कोर के अधिकारी हालात का जायजा ले रहे हैं और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा, ताकि संपर्कविहीन इलाकों को जोड़ा जा सके।

भूटान के बांध से खतरा, नदियों में उफान की आशंका

एक अतिरिक्त खतरा भूटान के ताला हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से उत्पन्न हुआ है, जहां बांध के गेट खुलने में तकनीकी दिक्कत आई है। इससे पानी बांध के ऊपर फैल गया है। भूटान सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। अगर भारी बारिश जारी रही, तो उत्तर बंगाल की नदियों में अचानक बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है।

NDRF का हाई अलर्ट, छुट्टी पर गए कर्मियों को बुलाया वापस

एनडीआरएफ ने अलीपुरद्वार, सिलीगुड़ी, मालदा और कोलकाता से टीमें तैनात की हैं। उप महानिरीक्षक मोहसेन शाहेदी ने बताया कि सभी टीमें हाई अलर्ट मोड पर हैं। राहत और बचाव कार्यों के लिए छुट्टी पर गए कर्मियों को भी वापस बुला लिया गया है। सिलीगुड़ी से अतिरिक्त 15 बचावकर्मियों को भी डूआर्स क्षेत्र भेजा गया है।

तूफान की चेतावनी भी जारी

मौसम विभाग ने बताया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से उठा तूफान डूआर्स क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है, जिससे अगले 48 घंटे बेहद संवेदनशील हो सकते हैं। यदि भूटान की पहाड़ियों में भारी बारिश होती है, तो बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

दार्जिलिंग में भूस्खलन

दार्जिलिंग उपखंड के मिरिक क्षेत्र में भूस्खलन से कई गांव प्रभावित हुए हैं। सड़क मार्ग बंद होने से राहत सामग्री पहुंचाना चुनौती बना हुआ है। एनडीआरएफ की टीमें स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों के साथ मिलकर रास्ते बहाल करने में जुटी हैं।

ममता और मोदी दोनों ने जताई चिंता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि राज्य सरकार राहत कार्यों के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्थिति पर केंद्रीय एजेंसियों को हरसंभव सहायता देने का निर्देश दिया है।

स्थिति पर नजर, और मदद के लिए तैनात टीमें

दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी, अलीपुरद्वार में NDRF की टीमें सक्रिय,सेना और प्रशासन का संयुक्त रेस्क्यू अभियान जारीबांध और नदियों के जलस्तर की निगरानी जारी और कनेक्टिविटी बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास। उत्तर बंगाल इस समय प्राकृतिक आपदा की चपेट में है। राज्य और केंद्र सरकार की टीमें हालात पर नजर बनाए हुए हैं, लेकिन स्थानीय निवासियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन ने नदी किनारे और ढलानों पर बसे गांवों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थिति बेहद नाजुक है और किसी भी आपात स्थिति के लिए सभी राहत एजेंसियां मुस्तैद हैं।

पाक रक्षा मंत्री की भारत को युद्ध की धमकी

'जंग हुई तो भारत अपने विमानों के मलबे में दब जाएगा'

एजेंसी । नई दिल्ली/इस्लामाबाद

भारत के खिलाफ ज़हर उगलते हुए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रविवार को एक उग्र बयान में भारत को युद्ध की धमकी दी। उन्होंने कहा कि यदि भारत ने भविष्य में कोई दुस्साहस किया, तो पाकिस्तान पूरी ताकत से जवाब देगा। आसिफ का यह बयान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की हालिया सख्त चेतावनियों के जवाब में आया है।

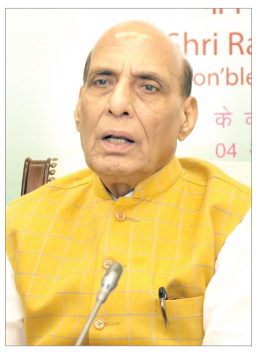

'अल्लाह के सिपाही हैं हमारे रक्षक'

आसिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा :'भारत सरकार घरेलू मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए तनाव बढ़ा रही है। पाकिस्तान अल्लाह के नाम पर बना देश है, हमारे रक्षक अल्लाह के सिपाही हैं। इस बार इंशाअल्लाह, भारत अपने विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। अल्लाहु अकबर।' उनका यह बयान न सिर्फ आपत्तिजनक है, बल्कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भी गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

भारत की प्रतिक्रिया

भारत सरकार की ओर से अभी तक ख्वाजा आसिफ के बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान अंदरूनी राजनीतिक और आर्थिक संकटों से जूझ रहा है और ऐसे में भारत के खिलाफ बयानबाजी कर ध्यान भटकाना चाहता है।

भारत की निर्णायक सैन्य कार्रवाई

इससे पहले भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने शुक्रवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में खुलासा करते हुए बताया था कि इस कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को टारगेट किया गया था। सिंह के मुताबिक,भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के F-16 जैसे अमेरिकी फाइटर जेट्स,और सर्विलांस विमानों को निशाना बनाया था। तीन अलग-अलग एयरबेस के हैंगर पर हमले में 4-5 पाकिस्तानी फाइटर जेट्स तबाह हुए थे। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान अपने लोगों को मनोहर कहानियाँ सुना रहा है, लेकिन सच यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे विमानों ने 300 किमी तक पाकिस्तान में घुसकर सटीक हमले किए।'

'0-6 की हार' का रहस्य

ख्वाजा आसिफ ने अपने पोस्ट में भारत पर तंज कसते हुए लिखा कि भारत अपनी '0-6 की हार' की बदनामी से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह "0-6" किस सन्दर्भ में कहा गया है। सैन्य विश्लेषकों के अनुसार, यह आंकड़ा पाकिस्तान की मनगढ़ंत बयानबाजी का हिस्सा प्रतीत होता है, क्योंकि हाल के किसी भी संघर्ष में भारत को ऐसी कोई पराजय नहीं मिली है।

कफ सिरप विवाद पर केंद्र सख्त रुख में

नियमों की अनदेखी पर दवा कंपनियों के लाइसेंस होंगे रद्द

एजेंसी । नई दिल्ली

बच्चों के लिए बने कफ सिरप की गुणवत्ता और इसके दुष्प्रभावों को लेकर देशभर में बढ़ती चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने अब सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिल श्रीवास्तव ने सोमवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक कर दवा निर्माता कंपनियों को चेतावनी दी है कि संशोधित Schedule M के तहत गुणवत्ता मानकों का पालन न करने पर उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे।

दवा की गुणवत्ता की निगरानी बढ़ेगी

'बच्चों को कफ सिरप सोच-समझकर ही दें'

सचिव श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चों में खांसी सामान्य और अक्सर खुद-ब-खुद ठीक हो जाने वाली समस्या है। बिना जरूरत के कफ सिरप देने से स्वास्थ्य पर गंभीर असर हो सकता है। उन्होंने राज्यों से अपील की है कि वे जनजागरूकता अभियान चलाएं और अभिभावकों को इस बारे में शिक्षित करें कि हर खांसी में दवा जरूरी नहीं होती। बैठक में यह भी निर्णय हुआ कि अस्पतालों से दवा से जुड़ी शिकायतों की रिपोर्ट समय पर मंगाई जाए।

पिछली घटनाओं से सबक

स्वास्थ्य मंत्रालय की यह सख्ती मध्य प्रदेश, राजस्थान और कुछ अन्य राज्यों में बच्चों की मौत या गंभीर बीमारियों से जुड़े कफ सिरप मामलों के बाद सामने आई है। इन घटनाओं में दवा में विषैले या मानक से कम गुणवत्ता वाले रसायनों की मौजूदगी सामने आई थी, जिससे भारत की फार्मास्युटिकल छवि को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवा निर्माता है और कई देशों में भारतीय दवाएं निर्यात की जाती हैं। हाल के मामलों से इस छवि को नुकसान पहुंचा है। इसलिए मंत्रालय अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारत में बनी दवाओं की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरे। विशेष रूप से बच्चों की दवाओं पर कोई समझौता न हो।

क्या है Schedule M?

Schedule M भारतीय दवा और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम (Drugs and Cosmetics Act) का वह हिस्सा है जो गुणवत्ता मानकों और निर्माण प्रक्रिया से संबंधित दिशा-निर्देश तय करता है। इसमें संशोधन के बाद अब मानकों को और कठोर किया गया है, जिसका पालन करना सभी दवा कंपनियों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्र सरकार का यह रुख बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति एक अहम और कड़ा संदेश है। आने वाले समय में उम्मीद की जा रही है कि दवा कंपनियां गुणवत्ता में ढिलाई नहीं बरतेंगी।

खबर संक्षेप

रूस ने वेनेजुएला के पास अमेरिकी हमले की निंदा

मास्को। रूस ने वेनेजुएला के तट के पास एक कथित मादक पदार्थों से भरे जहाज पर अमेरिका द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने वेनेजुएलाई समकक्ष इवान गिल के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान कहा कि मॉस्को इस हमले की कड़ी भर्त्सना करता है। रूसी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि, "दोनों मंत्रियों ने कैरिबियन सागर में वाशिंगटन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जो क्षेत्र के लिए दूरगामी परिणाम ला सकती हैं।

हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष बने अनुराग ठाकुर

शिमला। हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ (एचपीओए) की वार्षिक आम बैठक रविवार को शिमला में आयोजित की गई, जिसमें राज्य भर से आए सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस बैठक में संघ की नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ का नया अध्यक्ष चुना गया। बैठक में कुल 17 सदस्यों की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। निर्वाचित प्रमुख पदाधिकारियों में वीरेंद्र कंवर को मुख्य संरक्षक, विधायक बलबीर वर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और राजेश भंडारी को महासचिव नियुक्त किया गया।

जेवर के नोएडा एयरपोर्ट में बन रहा देश का सबसे बड़ा ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर

पीएम मोदी 30 अक्टूबर को करेंगे उद्घाटन

एजेंसी । गौतम बुद्ध नगर

गौतम बुद्ध नगर के जेवर में तैयार हो रहा नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अब उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को इस अत्याधुनिक एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। एयरपोर्ट में यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें जेट ब्रिज, सौर ऊर्जा से संचालित संरचना और जलभराव-रोधी बुनियादी ढांचा शामिल हैं।

देश का सबसे बड़ा ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर

नोएडा एयरपोर्ट परिसर में एक अत्याधुनिक ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर (GTC) भी तैयार किया जा रहा है। लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहा यह केंद्र एक साथ 1200 से अधिक वाहनों की पार्किंग और ई-व्हीकल चार्जिंग की सुविधा देगा। इसके पहले चरण का कार्य लगभग 80% पूर्ण हो चुका है और इसके उद्घाटन तक पूरा हो जाने की संभावना है।

यात्रियों को seamless कनेक्टिविटी की सुविधा

GTC का निर्माण एयरपोर्ट टर्मिनल से पैदल दूरी पर किया जा रहा है ताकि यात्री सीधे कैब, टैक्सी, बस, मेट्रो और नमो भारत ट्रेन तक आसानी से पहुंच सकें। यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा रोडवेज की बसें एयरपोर्ट शुरू होते ही सेवा में लग जाएंगी। एयरपोर्ट से यात्रियों को देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, कुरुक्षेत्र और चंडीगढ़ जैसे शहरों तक सुविधाजनक कनेक्टिविटी मिलेगी।

भारत सेमीकंडक्टर, एआई और स्वदेशी दूरसंचार में नेतृत्व कर रहा है : सिंधिया

नई दिल्ली। भारत सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और स्वदेशी दूरसंचार तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि भारत अब निवेश का गंतव्य नहीं, बल्कि विश्व के लिए एक दिशा और दृष्टि बन गया है। सिंधिया ने नई दिल्ली में आयोजित चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में "कम्युनिकेशंसः इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज" विषय पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदला है। उन्होंने बताया कि भारत का 76 हजार करोड़ रुपए का सेमीकंडक्टर मिशन आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चीनी सहकारी मिलों की बदलती तस्वीर

महाराष्ट्र में अमित शाह ने किसानों को राहत का वादा किया

एजेंसी । अहमदनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदनगर जिले के डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाने की क्षमता विस्तार परियोजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र के किसानों को भारी बारिश से हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के चीनी सहकारी क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है और महाराष्ट्र में सहकारी मिलों की स्थिति पहले से बेहतर हुई है।

केंद्र और राज्य सरकारों का राहत कार्य तेज

अमित शाह ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र को 3132 करोड़ रुपए की सहायता दी है, जिसमें से 1631 करोड़ रुपए प्रधानमंत्री मोदी ने अप्रैल में जारी किए थे। इसके अलावा राज्य सरकार ने 2215 करोड़ रुपए का राहत कोष बनाया है, जिससे 31 लाख से अधिक किसानों को फायदा होगा। महाराष्ट्र सरकार किसानों को 10 हजार रुपए नकद और 35 किलो अनाज भी मुहैया करा रही है, साथ ही कर्जमाफी की वसूली पर भी रोक लगाई गई है।

किसानों के लिए केंद्र सरकार का विशेष ध्यान

शाह ने कहा, महाराष्ट्र में किसानों के लिए मोदी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। केंद्र और राज्य दोनों मिलकर किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे। मैंने प्रधानमंत्री की ओर से यह आश्वासन दिया है कि विस्तृत रिपोर्ट मिलने के बाद कोई देरी नहीं की जाएगी।

महाराष्ट्र के किसानों के लिए नई उम्मीद

शाह ने कहा कि यह सब तभी संभव हुआ है क्योंकि महाराष्ट्र की जनता ने किसानों के हितों की चिंता करने वाली सरकार को सत्ता में चुना है। उन्होंने किसानों से विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उनकी हर समस्या का समाधान करेंगे।

एक और साजिश! NATO की तर्ज पर भारत के खिलाफ किलेबंदी में जुटा पाकिस्तान

पाकिस्तान की नई सैन्य गठबंधन की योजना

एजेंसी । नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर में नाकामी के बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत के खिलाफ लगातार साजिश रचते हुए वह नाटो की तर्ज पर एक सैन्य गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता किया था, जो इस कोशिश का हिस्सा है। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने हाल ही में कहा कि कई इस्लामी और गैर-इस्लामी देशों ने सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते में शामिल होने में रुचि दिखाई है। अगर और देश इस गठबंधन में शामिल हो जाते हैं।

सऊदी-पाक रक्षा समझौते का महत्व

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए इस रक्षा समझौते में यह प्रावधान है कि किसी भी एक देश पर हमला दोनों के विरुद्ध हमला माना जाएगा। यह समझौता इजराइल के कतर पर हमले के तुरंत बाद हुआ था, जिससे अरब देशों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तान की कोशिशों के बावजूद एक मजबूत और प्रभावी इस्लामी सैन्य गठबंधन बनाना आसान नहीं है। मुस्लिम देशों के बीच राजनीतिक और क्षेत्रीय मतभेद—जैसे सऊदी अरब और ईरान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की और मिस्र के बीच विरोध—इस प्रयास को कमजोर करते हैं।

सैन्य गठबंधन की वजह और बढ़ती अहमियत

हाल में सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते ने इस्लामी या अरब नाटो के गठन की चर्चा को फिर से तवज्जो दी है। सऊदी अरब ने अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी पाकिस्तान को सौंपते हुए एक परमाणु मुस्लिम राष्ट्र के साथ गठबंधन मजबूत किया है। तुर्की भी इस तरह के इस्लामी सैन्य गठबंधन की मांग करता रहा है। वाशिंगटन के दोहा पर मिसाइल हमले को रोकने में विफल रहने के बाद अरब देशों की अमेरिकी सुरक्षा पर निर्भरता कमजोर हो रही है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि अब अरब देशों के पास अपने लिए "वास्तविक और ठोस उपाय" करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

मुंबई आस-पास
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
DBD दो बजे दोपहर

पीएम मोदी की सभा के लिए ठाणे से रवाना होंगी 150 बसें

• अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन अवसर पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को उल्वे (पनवेल) में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

ठाणे शहर से लगभग 150 बसों के जरिए कार्यकर्ता और नागरिक उल्वे रवाना होंगे ताकि प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने और ऐतिहासिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिल सके। इस संबंध में भाजपा ठाणे शहर जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष संदीप दिले की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 400 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में 33 वार्डों से प्रतिनिधियों ने उपस्थिति दर्ज कराई और आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

जनता से की गई सहभागिता की अपील

भाजपा ठाणे जिला अध्यक्ष संदीप दिले ने ठाणेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सभा में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन सुनें। उन्होंने बताया कि बसों की व्यवस्था सभी वार्डों से की गई है ताकि लोगों को यात्रा में कोई असुविधा न हो। भाजपा प्रवक्ता सागर भदे ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता का उत्साह देखकर यह स्पष्ट है कि यह सभा ऐतिहासिक बनने जा रही है।

सभा के लिए बनी विशेष समिति

सभा की तैयारी को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है। इस समिति में शामिल हैं, सचिन पाटिल,राजेश माड़वी,समीरताई भारती,विक्रम भोईर (महासचिव),तृप्ति पाटिल,गौरवसिंह भास्कर (सचिव) और बैरी शेट्टी। इन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपकर पूरी योजना को व्यवस्थित ढंग से लागू करने का कार्य सौंपा गया है। सभी नगरसेवकों, जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, पैनल प्रमुखों और वार्ड प्रमुखों को जिम्मेदारी दी गई है।

भुसावल मंडल ने 72 घंटे में डकैती का मामला सुलझाया

1.82 करोड़ की चोरी की संपत्ति बरामद

डीबीडी संवाददाता | भुसावल

मध्य रेल के भुसावल मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने उत्कृष्ट जाँच कौशल और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए मात्र 72 घंटों में 1.82 करोड़ मूल्य के सोने के आभूषणों से जुड़ी एक फर्जी डकैती के मामले का सफलतापूर्वक पर्दाफाश कर दिया है। इस दौरान चोरी की सम्पूर्ण संपत्ति बरामद कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। 30 सितंबर 2025 को जब ट्रेन संख्या 12187 (जबलपुर-सीएसएमटी गरीब रथ एक्सप्रेस) में डकैती की सूचना मिली, तब शिकायतकर्ता श्री सागर पारेख ने मुंबई के सीएसएमटी जीआरपी स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 3(5) और 309(6) के तहत मामला दर्ज कराया। उन्होंने 1.5 किलोग्राम वजन की 52 सोने की चूड़ियाँ और 35 अंगूठियाँ चोरी होने का आरोप लगाया, जिनकी कुल कीमत 1.82 करोड़ बताई गई थी।

जांच में पाया गया कि घटना जीआरपी पोस्ट खंडवा के क्षेत्र में हुई थी, इसलिए मामला वहाँ ट्रांसफर कर दिया गया। 3 अक्टूबर को जीआरपी खंडवा ने उक्त धाराओं के तहत मामला पुनः दर्ज कर आरपीएफ भुसावल से सहायता मांगी। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आरपीएफ की एक संयुक्त जांच टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, डिजिटल ट्रैकिंग, कॉल डेटा रिकॉर्ड और रूट मैपिंग जैसे आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर विस्तृत जांच की।

इस दौरान पता चला कि यह डकैती पूरी तरह से मनगढ़ंत थी और शिकायतकर्ता ने अपने साथियों के साथ मिलकर झूठे नुकसान का दावा कर अधिकारियों को गुमराह किया। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि अपनी कहानी को विश्वसनीय बनाने के लिए उन्होंने जानबूझकर खुद को घायल किया था। खुफिया जानकारी के आधार पर पता चला कि चोरी के आभूषण कल्याण रेलवे स्टेशन पर प्रवीण नामक आरोपी के पास हैं। 4 अक्टूबर को आरपीएफ टीम ने प्रवीण को गिरफ्तार कर सम्पूर्ण लूटी गई संपत्ति जब्त कर ली, जिसमें 52 सोने की चूड़ियाँ और 35 अंगूठियाँ शामिल थीं, जिनका कुल वजन 1.6 किलोग्राम था।

इस मामले में गिरफ्तार चार आरोपी हैं:

- सागर पारेख (40 वर्ष), नासिक निवासी, आर.बी. ज्वैलर्स एंड गोल्ड लिमिटेड एलएलपी, ज़वेरी बाजार, मुंबई में साझेदार।
- संजय कुमार (27 वर्ष), पाली जिला, राजस्थान निवासी, वर्तमान में मुंबई।
- प्रवीण कुमार (35 वर्ष), सिरोही जिला, राजस्थान निवासी, दिवा ईस्ट, ठाणे।
- राकेश जैन (53 वर्ष), मालाबार हिल्स, मुंबई निवासी।

चारों आरोपियों को धारा 3(5) और 309(6) के तहत गिरफ्तार कर आरपीएफ भुसावल डिवीजन के इंस्पेक्टर प्रकाश चंद्र सेन के नेतृत्व में जांच जारी है। आरपीएफ भुसावल और खंडवा टीमों ने जीआरपी के साथ मिलकर त्वरित कार्रवाई, उन्नत तकनीकी उपकरणों और कुशल टीम वर्क के जरिए इस जटिल मामले का सफल समाधान किया। इस सफलता ने रेलवे सुरक्षा बल की व्यावसायिकता और विश्वसनीयता को और मजबूत किया है।

महिला सुधार गृह में सुरक्षा में बड़ी चूक

• उल्हासनगर से फरार हुईं 12 महिला कैदियों में से 8 पकड़ी गईं

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर के शांति सदन महिला सरकारी सुधार गृह से 3 अक्टूबर की रात 12 महिला कैदी दीवार और मुख्य द्वार फांदकर फरार हो गईं। ये सभी महिलाएं अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत आरोपों का सामना कर रही थीं। घटना विजयादशमी की पूर्व संध्या पर हुई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

पुलिस उपायुक्त (जोन-4) सचिन गोरे ने बताया कि पुलिस टीमों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उल्हासनगर और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसके तहत 8 महिलाओं को हिरासत में ले लिया गया। 4 महिला कैदी अभी भी फरार हैं और उनकी तलाश के लिए पुलिस के कई दल लगाए गए हैं। डीसीपी गोरे ने बताया कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, घटना की जिम्मेदारी तय करने और सुरक्षा चूक का पता लगाने के लिए हिल लाइन पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब सुधार गृह से कैदी फरार हुए हैं। तीन महीने पहले भी बाल सुधार गृह से 6 लड़कियां फरार हुई थीं, जिनमें से 4 अपने घर पहुंच गईं, जबकि 2 अभी तक नहीं मिली हैं।

पुराने विवाद को लेकर तीन भाइयों ने मिलकर की दोस्त की हत्या

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शहर के शांतिनगर इलाके में पुराने विवाद के चलते एक भयावह घटना सामने आई है, जहां तीन भाइयों ने मिलकर अपने दोस्त जिशान अंसारी की हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, हसन महबूब शेख (22), मकबूल महबूब शेख (30) और हुसैन महबूब शेख (28) एक साथ काम करते थे। एक दिन गोदाम में कुली का काम करते समय उनकी जिशान से बहस हुई। इसी पुरानी रंजिश के चलते हसन, मकबूल, हुसैन, सुल्ताना महबूब शेख और असमा वाजिद जिशान के घर गए और उनके परिवार पर हमला किया।

जब जिशान दोपहिया वाहन से लौट रहा था, तो हसन ने उसे लात मारकर गिरा दिया। गिरने से जिशान की गंभीर चोटें आईं और बाद में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। शांतिनगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं और मामले की जांच जारी है।

'नालायक' बयान के बाद शुरू हुआ विवाद – पूर्व नगरसेवक सूरज पाटिल ने किया पलटवार

नागमणि पांडेय | नवी मुंबई

वनमंत्री गणेश नाईक द्वारा 'नालायक' बयान के बाद शुरू हुए विवाद में पूर्व नगरसेवक सूरज पाटिल ने कड़ा पलटवार किया है। पाटिल ने कहा, 'जिन्होंने नवी मुंबई के हितों के खिलाफ काम किया, उन्हें नालायक कहना गलत नहीं। शहर के लुटेरों को चोर कहना अपराध नहीं।' उन्होंने स्पष्ट किया कि यह शब्द नवी मुंबई के विकास को लूटने वालों को निशाना बनाकर कहा गया, और 'किसे क्यों चुभा, यह बात स्वयं स्पष्ट है।' पाटिल ने चेतावनी दी कि अगर प्रस्तावित 14 गाँव जबरन नवी मुंबई में शामिल किए गए, तो शहर की व्यवस्था चरमरा जाएगी। उनका कहना था, 'इन गाँवों का भौगोलिक संबंध ठाणे और कल्याण-डोंबिवली से है, नवी मुंबई से नहीं।' उन्होंने बताया कि 2014 में महापालिका ने सशर्त प्रस्ताव पारित करते हुए 500 करोड़ रुपए के अंडरपास और 6600 करोड़ की नागरिक सुविधाओं की मांग की थी।

अपर्णा गवते के आरोप

पूर्व नगरसेविका अपर्णा गवते ने आरोप लगाया कि दिघा में झोपड़पट्टीवासियों को बेघर करने के लिए एक उपनेता ने अपनी टीम से कोर्ट में याचिका दाखिल करवाई। उन्होंने कहा कि मलप्रक्रिया केंद्र के लिए आरक्षित भूखंड पर होटल बनाकर उसका उद्घाटन सांसद द्वारा करवाए जाने का आरोप भी लगाया गया है। सूरज पाटिल ने कहा कि तीनों नेताओं ने मिलकर यह कहा कि नवी मुंबई आज देश के सर्वश्रेष्ठ शहरों में गिना जाता है। उन्होंने कहा, 'गणेश नाईक ने नवी मुंबई को बनाया है-उनसे जलन रखने वालों को शहर की प्रगति पसंद नहीं आती।'

'नवी मुंबई का पानी, ऑक्सीजन और इंजेक्शन तक लूटा गया'

सूरज पाटिल ने आरोप लगाया कि कोरोना संकट के दौरान नवी मुंबई को मिलने वाली ऑक्सीजन और इंजेक्शन चोरी हो गए। साथ ही, एमआईडीसी से मिलने वाला 80 MLD पानी घटाकर 40 MLD कर दिया गया। पूर्व स्थायी समिति सभापति नेत्रा शिर्के ने कहा कि पुनर्विकास के नाम पर कुछ लोगों ने अपनी तिजोरियाँ भरीं। उन्होंने सवाल उठाया, 'जनता दरबार गरीबों की मदद का मंच था, उसे बंद करवाने के लिए कोर्ट में गए -क्या यही जनता सेवा है?'

सड़क पार करते समय 10 वर्षीय बालिका की दर्दनाक मौत

मुंबई-नासिक हाईवे पर येवई गांव के पास हुआ हादसा

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

मुंबई-नासिक राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक हादसे में सड़क पार कर रही 10 वर्षीय बालिका की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना रविवार को येवई गांव के पास घटी, जब बच्ची कचरा बीनने के बाद घर लौट रही थी। मृत बच्ची की पहचान रूपा लालन राम के रूप में हुई है। रूपा का परिवार हाल ही में बिहार से भिवंडी के बापदेव पाड़ा इलाके में आया था।

जानकारी के अनुसार, रूपा सड़क पार कर रही थी, तभी नासिक से मुंबई की ओर तेज़ गति से जा रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन को सूचित किया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और सरकारी उप-जिला अस्पताल भिवंडी भेज दिया। भिवंडी तालुका पुलिस ने मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन की पहचान करने का प्रयास जारी है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि, 'यह एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है। मासूम बच्ची अभी हाल ही में अपने परिवार के साथ यहाँ आई थी। हम जल्द ही दोषी वाहन और चालक को चिन्हित कर कार्रवाई करेंगे।'

स्थानीय नागरिकों ने जताया आक्रोश

घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। नागरिकों ने हाईवे पर तेज़ गति से दौड़ते वाहनों और सुरक्षित पैदल पार पथ की कमी को लेकर प्रशासन से नाराज़गी जताई है। उनका कहना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाए।

महाराष्ट्र में सूखा बनेगा इतिहास!

- सीएम फडणवीस का नदी जोड़ो परियोजना पर बड़ा दावा
- जल संकट खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम

डीबीडी संवाददाता | अहिल्यानगर

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के लोणी में रविवार को एक अहम कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में सूखे को जड़ से खत्म करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नदी जोड़ो परियोजना को लागू करने का निर्णय लिया है, जो भविष्य में महाराष्ट्र को सूखा-मुक्त बना सकती है। यह बयान उन्होंने पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल और पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटिल की प्रतिमाओं के अनावरण एवं सहकारी चीनी मिल के नवीनीकरण के अवसर पर दिया।

इन परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगले 5 से 7 वर्षों में, इन योजनाओं के पूरी तरह लागू होने के बाद, नासिक, अहिल्यानगर और मराठवाड़ा जैसे सूखा प्रभावित क्षेत्रों को स्थायी राहत मिलेगी। सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र सहकारिता आंदोलन की जन्मस्थली रहा है और इस आंदोलन की नींव डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल, धनंजयराव गाडगिल और वैकुंठभाई मेहता ने रखी थी। प्रवरानगर में स्थापित पहली सहकारी चीनी मिल ने किसानों के जीवन को बदलने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जहां-जहां सहकारिता आंदोलन पहुंचा, वहां कृषि विकास, औद्योगीकरण और ग्रामीण समृद्धि ने भी गति पकड़ी।

मोदी सरकार का सहकारिता को समर्थन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता के महत्व को समझते हुए स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की और अमित शाह को इसका पहला मंत्री बनाया। शाह ने सहकारिता क्षेत्र में तेज निर्णय लेकर सभी को चौंका दिया है। फडणवीस ने कहा कि अब समय आ गया है कि सहकारी चीनी मिलों में चक्रीय अर्थव्यवस्था का विकास किया जाए, जिससे किसान और अधिक लाभान्वित हो सकें।

भारी बारिश से नुकसान–जल्द मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि हाल ही में भारी बारिश से प्रभावित किसानों के लिए एक ठोस राहत योजना तैयार की जा रही है। राज्य सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से प्रभावित किसानों को पर्याप्त मदद देने की दिशा में कार्य कर रही है। महाराष्ट्र सरकार की नदी जोड़ो परियोजना न सिर्फ सूखा खत्म करने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, बल्कि यह जल प्रबंधन और क्षेत्रीय विकास का भी आधार बनेगी। साथ ही, सहकारिता आंदोलन की विरासत को आगे बढ़ाते हुए सरकार ग्रामीण समृद्धि के नए अध्याय लिखने की तैयारी में है।

सोलापुर-धाराशिव बाढ़ पीड़ितों के लिए बढ़ा मदद का हाथ

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

धाराशिव ज़िले में हाल ही आई भयंकर बाढ़ ने कई गांवों को तबाह कर दिया है और हजारों लोगों की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस आपदा के दौरान विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, संगठनों, मंडलियों और नागरिकों ने पीड़ितों की सहायता के लिए एकजुट होकर राहत कार्य को गति दी है।

बाढ़ प्रभावितों को चावल, गेहूं का आटा, तेल, चीनी, अरहर की दाल, चायपत्ती, साबुन, कोलगेट, मैगी, बिस्कुट सहित आवश्यक वस्तुओं के किट वितरित किए गए। इस राहत कार्य में प्रिंस ग्रुप फ़ाउंडेशन, भारत विकास परिषद, कनौजिया युवा शक्ति फ़ाउंडेशन, लॉन्ड्री एसोसिएशन, सोलापुर सोशल फ़ाउंडेशन, मंगलवेधा मुंबई मित्र मंडल, श्री स्वामी समर्थ युवा प्रतिष्ठान, तुलजाभवानी मंदिर समिति, शिव संस्कृति प्रतिष्ठान जैसे कई संगठन सक्रिय रूप से शामिल रहे।

मनोरमानगर टीम, जिसमें दत्तात्रेय घाडगे, करण औताडे, विनोद राठौड़, संतोष घांट, आकाश यादव, संजीव वर्मा, कार्तिक घरत और श्री घाडगे जैसे सदस्य थे, ने सोलापुर के वडगबल पुजारी वस्ती और हरिजन वस्ती के करीब 30 प्रतिशत परिवारों को राहत सामग्री पहुंचाई। इन गांवों के अधिकांश लोग अभी भी अपने घरों में लौटने में असमर्थ हैं, क्योंकि उनके घर और सामान बाढ़ में बह गए हैं और कई पशु भी लापता हैं।

इस कठिन परिस्थिति में, सभी दानदाताओं, संस्थाओं और नागरिकों के सहयोग से बाढ़ पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचाने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस प्रयास के लिए आयोजक दत्तात्रेय घाडगे ने सभी दानदाताओं और सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

श्री साईं पुण्यतिथि उत्सव के समापन पर आंध्रप्रदेश के भक्त ने साईं चरणों में अर्पित किया 1 करोड़ से अधिक का स्वर्ण हार

डीबीडी संवाददाता | शिर्डी

श्री साईं बाबा के प्रति देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है, जो हर वर्ष उनके पुण्यतिथि उत्सव में बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रकट होती है। इस बार उत्सव के समापन दिवस पर आंध्रप्रदेश के एक श्रद्धावान भक्त ने श्री साईं बाबा के चरणों में 954 ग्राम वजन का अत्यंत आकर्षक नक्काशीदार और नवरत्न जड़ित स्वर्ण हार अर्पित किया।

इस हार की कुल कीमत 1 करोड़ 2 लाख 74 हजार 580 रुपए आंकी गई है, जो अपनी कलात्मकता और भव्यता के कारण श्रद्धालुओं के बीच भारी उत्सुकता का केंद्र बना रहा। यह भव्य हार श्री साईं संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडीलकर (भा.प्र.से.) के माध्यम से बाबा के चरणों में समर्पित किया गया। दानकर्ता की गोपनीयता का सम्मान करते हुए, संस्थान ने उस भक्त का सत्कार किया। इस अनूठे दान से श्री साईं बाबा के प्रति श्रद्धा और भक्ति की गहराई एक बार फिर उजागर हुई।

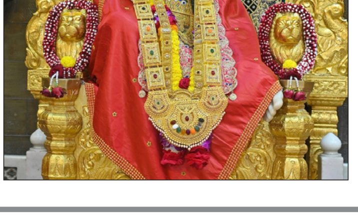

आरोपी को पकड़ने गए पुलिसकर्मी को जान से मारने की धमकी

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी के आज़मी नगर क्षेत्र में एक पुलिस कांस्टेबल के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी सलामत आलम अंसारी के खिलाफ भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार, घटना 1 अक्टूबर की रात लगभग 11:45 बजे की है। निजामपुरा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आज़मी नगर स्थित गरीब नवाज इलेक्ट्रिक एंड इलेक्ट्रॉनिक वर्क्स की दुकान के पास एक गंभीर अपराध करने वाले आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस कांस्टेबल उमेश पलवी (36) मौके पर पहुंचे थे। लेकिन गिरफ्तारी के दौरान आरोपी सलामत आलम अंसारी ने कांस्टेबल के साथ झगड़ा किया, धक्का मुक्की की और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। यह घटना सरकारी काम में बाधा डालने की श्रेणी में आती है।

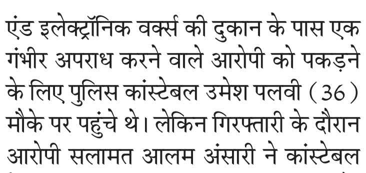

कई धाराओं के तहत मामला दर्ज

पुलिस कांस्टेबल की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल आरोपी को नोटिस जारी किया गया है। इस घटना की जांच अधिकारी संतोष तपासे कर रहे हैं। इस तरह की घटनाएँ, जहाँ कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यरत अधिकारियों को ही धमकियाँ दी जाती हैं, कानून के शासन के लिए गंभीर चुनौती हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जाँच की जा रही है, और जरूरत पड़ने पर आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एकनाथ और उद्धव गुट में टकराव

- रामदास कदम ने अनिल परब पर साधा निशाना
- तीव्र पलटवार से गरमा रही शिवसेना की राजनीति

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना के दो गुटों-एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे-के बीच जारी विवाद ने रविवार को नया मोड़ लिया, जब एकनाथ शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता रामदास कदम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनिल परब पर तीखा हमला बोला। कदम ने कहा कि अनिल परब ने उनके खिलाफ अपमानजनक और नीच भाषा का प्रयोग किया है, जिसका वह कानूनी तौर पर जवाब देंगे। इस विवाद ने महाराष्ट्र की शिवसेना राजनीति में दोनों गुटों के बीच टकराव को और बढ़ा दिया है।

'नीच और अपमानजनक भाषा का किया इस्तेमाल'

रामदास कदम ने कहा, 'मैंने शनिवार को उनकी प्रेसवार्ता नहीं देखी थी, लेकिन सुना है कि अनिल परब ने मातोश्री को लेकर गलत और अपमानजनक बयान दिए। यह बात उद्धव ठाकरे को कहनी चाहिए थी, न कि उनका यह 'भाड़खाऊ' व्यक्ति बोलना चाहिए था। इसकी लायकी नहीं कि वह मेरे पैरों के पास भी खड़ा हो।'

मातोश्री में चुगली और दलाली के आरोप

कदम ने आरोप लगाया कि अनिल परब मातोश्री जाकर चुगली करते हैं और उद्धव ठाकरे को ऐसे लोग पसंद हैं। उन्होंने कहा, 'मुझ पर दलाली खाने का आरोप लगाया गया, जबकि जिस जगह की बात हो रही है वह डांस बार नहीं, बल्कि ऑर्केस्ट्रा था। मेरे परिवार और पत्नी को बदनाम किया गया है। इसलिए मैं अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाने जा रहा हूं।'

8 हजार मराठी परिवारों के घर खाली करवाने का आरोप

रामदास कदम ने विले पार्ले के प्रेम नगर में चल रही SRA परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि अनिल परब ने लगभग 8 हजार मराठी परिवारों पर दबाव डालकर उनके घर खाली करवाए। उन्हें फ्लैट देने का वादा किया गया था, लेकिन वे अब मुंबई से बाहर हैं। कदम ने आरोप लगाया कि परब बिल्डरों से पैसे लेकर उनकी चमचागिरी करते हैं और मराठी लोगों की मेहनत का हक छीन रहे हैं। उन्होंने शपथपत्र पढ़कर कहा कि परब के पास दो मर्सिडीज कारें हैं, जिनमें से एक काली है।

अनिल परब के आरोपों का भी रहा जवाब

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के पूर्व मंत्री अनिल परब ने शनिवार को प्रेसवार्ता में रामदास कदम पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि बाल ठाकरे के पार्थिव शरीर को लेकर कदम का दावा वर्तमान मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है। परब ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि कदम का मकसद उद्धव ठाकरे के खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाना है। साथ ही परब ने कदम के दावों की सच्चाई जानने के लिए उनका नार्को टेस्ट कराने और 1993 में उनकी पत्नी के जलने के मामले की जांच कराने की मांग की है। महाराष्ट्र की शिवसेना राजनीति में जारी इस जंग ने दोनों गुटों के बीच की खाई को और गहरा कर दिया है। आने वाले दिनों में इस विवाद के और तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

ज्योती कदम ने भी आरोपों को किया खारिज

रामदास कदम की पत्नी ज्योती कदम ने मीडिया के सामने आकर अनिल परब के आरोपों को पूरी तरह झूठा बताया। उन्होंने कहा, 'वह जो कह रहे हैं, वह गलत है। उस समय मैं खाना बना रही थी, स्टोव से मेरा पल्लू जल गया था। मुझे जसलोक अस्पताल और फिर विदेश में इलाज के लिए ले जाया गया था। हमें बदनाम करना बंद करें। इससे हमें बहुत मानसिक कष्ट हो रहा है।'

बीएमसी वार्ड संरचना की अंतिम सूची आज होगी जारी

- निकाय चुनावों को लेकर मुंबई में बढ़ी हलचल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों की तैयारियाँ तेज़ी पकड़ चुकी हैं और देश की सबसे बड़ी नगर निकाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को लेकर एक महत्वपूर्ण चरण सोमवार को पूरा होगा। बीएमसी की अंतिम वार्ड संरचना की सूची 6 अक्टूबर को जारी की जाएगी। राज्य सरकार ने मुंबई मनपा से वार्ड रचना का प्रारूप 3 से 6 अक्टूबर के बीच घोषित करने के निर्देश दिए थे, और अब सोमवार (6 अक्टूबर) को इसकी अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, अंतिम सूची राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदन के बाद बीएमसी को सौंप दी गई है।

494 सुझावों और आपत्तियों पर हुई सुनवाई

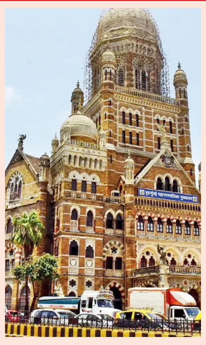

बीएमसी द्वारा वार्ड रचना के मसौदे पर जनता से 4 सितंबर 2025 तक सुझाव और आपत्तियाँ मांगी गई थीं, जिसमें कुल 494 सुझाव प्राप्त हुए। इन पर 10 से 12 सितंबर के बीच सुनवाई की गई, जिसकी ज़िम्मेदारी गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल को सौंपी गई थी, जो प्राधिकृत अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे।

227 वार्डों पर होंगे चुनाव

साल 2017 की तरह इस बार भी बीएमसी के चुनाव 227 वार्डों पर आधारित होंगे। अधिकारियों के अनुसार, नई वार्ड संरचना में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यह सुनिश्चित किया गया है कि पूर्व की त्रुटियाँ दोहराई न जाएँ। वार्ड रचना का संशोधित मसौदा 16 सितंबर 2025 को राज्य सरकार को सौंपा गया था, जिसे बाद में राज्य निर्वाचन आयोग को भेजा गया। अब यह मसौदा अंतिम रूप लेकर सोमवार को सार्वजनिक किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2025 तक निकाय चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनावों के लिए आरक्षण ड्रा की प्रक्रिया पहले ही तय की जा चुकी है। अब मुंबई सहित राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में चुनावी प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए वार्ड सीमांकन और आरक्षण सूची को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है।

'तलवार लो और हमारी गर्दन काट दो'

- जरांगे के बयान पर वडेट्टीवार का तीखा पलटवार
- OBC नेता सरकार पर असंतुष्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल के हालिया आंदोलनों और राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए प्रशासनिक आदेश (जीआर) को लेकर राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। जीआर के तहत मराठा समुदाय के कुछ लोगों को कुणबी प्रमाण पत्र जारी कर ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण का रास्ता खोलने के निर्णय से राज्य की महायुति सरकार पर ओबीसी नेताओं का आक्रोश फूटा है।

केंद्रित विवाद ने रविवार को उस समय और तूल पकड़ा जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा नेता विजय वडेट्टीवार ने परिस्थिति पर तीखा रुख अपनाया। वडेट्टीवार ने फोन में दिए गए तीखे बयानों में कहा कि अगर सरकार मनोज जरांगे को AK-47 दे दे तो वह (जरांगे) सारे ओबीसी खत्म कर देगा — यह बयान राजनीति में बहस का विषय बना हुआ है। वडेट्टीवार ने आरोप लगाते हुए कहा, "क्या हमें अपने आरक्षण की रक्षा नहीं करनी चाहिए? तलवार लो और हमारी गर्दन काट दो।'

उल्लेखनीय है कि राज्य के कई ओबीसी नेता- जिनमें कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल भी शामिल हैं।सरकार से इस जीआर को वापस लेने या संशोधित करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जीआर से ओबीसी वर्ग के हित प्रभावित होंगे और सन्तुलन बिगड़ेगा। उन्होंने सरकार पर यह आरोप भी लगाया है कि उनकी अपेक्षानुसार कोई प्रभावी प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। सरकार ने कुछ मराठा हितधारकों को कुणबी प्रमाण पत्र जारी किए जाने संबंधी आदेश (जीआर) दिए हैं, जिससे वे ओबीसी कोटे के अंतर्गत आरक्षण के लिए पात्र माने जा सकेंगे। इस निर्णय से ओबीसी नेताओं में नाराज़गी फैल गई है और वे इसे अपने आरक्षण का हनन मान रहे हैं।

नेताओं की प्रतिक्रियाएं

विजय वडेट्टीवार ने जीआर को लेकर बहुत आक्रामक शब्दों में प्रतिक्रिया दी और मनोज जरांगे के समर्थन या चुनौती भरे बयानों पर कटाक्ष किया। छगन भुजबल सहित अन्य ओबीसी नेताओं ने भी सरकार से जीआर पर पुनर्विचार और स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ परामर्श की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि संवेदनशील जातीय-आधारित आरक्षण के मसलों पर किसी भी तरह की भाषा या कार्यवाई माहौल को और खराब कर सकती है। ऐसे मामलों में संवैधानिक प्रक्रिया, न्यायालयीन मार्ग और व्यापक परामर्श से समाधान ढूँढने के लिए राजनीतिक सहमति आवश्यक मानी जाती है। सरकार की तरफ से इस संबंध में अभी तक कोई विस्तृत आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। राजनीतिक रूप से गरमाती परिस्थितियों के बीच, आगामी दिनों में पार्टी नेताओं के साथ-साथ प्रशासनिक और विधिक परामर्श की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 7.95 किलोग्राम कोकीन बरामद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने महाराष्ट्र के मुंबई एयरपोर्ट पर 7.95 किलोग्राम कोकीन के साथ दो महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बरामद की गई कोकीन की कीमत 79 करोड़ रुपये आंकी गई है । इस मामले की गहन छानबीन डीआरआई की टीम कर रही है।

दो महिलाएं गिरफ्तार

डीआरआई मुंबई की संभागीय इकाई के सूत्रों ने रविवार को बताया कि उनकी टीम शनिवार रात को मुंबई एयरपोर्ट पर निगरानी कर रही थी। बैंकॉक से मुंबई एयरपोर्ट पर आई दो महिलाओं को शक के आधार पर रोका गया और उनके सामान की तलाशी ली। इन दोनों ने खिलौनें के पैकेट में कोकीन छिपाया था, जिसे डीआरआई की टीम ने बरामद कर लिया और दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में डीआरआई की टीम इन दोनों महिलाओं से जुड़े अन्य तस्करों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

सिंधुदुर्ग समुद्र तट हादसा : दो और शव मिले, मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हुई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सिंधुदुर्ग ज़िले के वेंगुर्ले तहसील स्थित शिरोडा-वेलागर समुद्र तट पर पर्यटकों के डूबने की घटना में रविवार को दो और शव बरामद किए गए हैं। इस दर्दनाक हादसे में कुल मृतकों की संख्या अब 7 हो गई है। यह हादसा शुक्रवार शाम को हुआ था, जब बेलगाम से आए एक परिवार के 7 सदस्य समुद्र में डूब गए थे।

वेंगुर्ले पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार इरफान मोहम्मद इसाक कित्तूर (36 वर्ष), निवासी बेलगाम का शव रविवार सुबह 10:56 बजे केलुस-निवती समुद्र क्षेत्र में मिला। वहीं, जाकिर निसार मनियार (13 वर्ष), निवासी कुडल-गुधीपुर, का शव दोपहर 12 बजे वेंगुर्ले नवाबाग समुद्र तट पर पाया गया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जांच और कानूनी कार्यवाही जारी

वेंगुर्ले पुलिस स्टेशन में इस दुर्घटना के तहत आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। मामले की आगे की जांच पुलिस निरीक्षक निसर्ग ओटारी के नेतृत्व में जारी है।

लगातार तीन दिन चला तलाशी अभियान

यह हादसा शुक्रवार की शाम हुआ था, जब बेलगाम से कुडाल क्षेत्र में पर्यटन के लिए आए एक ही परिवार के 7 लोग समुद्र में डूब गए थे। शुक्रवार को तीन शव बरामद किए गए,शनिवार को दो शव,और रविवार को दो शव और मिले, जिसके साथ सभी 7 लापता व्यक्तियों के शव मिल चुके हैं। तलाशी अभियान में मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विभाग के ड्रोन, स्थानीय मछुआरों, ग्रामीणों, और राजस्व प्रशासन की बड़ी भूमिका रही। यह अभियान एसपी मोहन दहीकर, एडिशनल एसपी नयोमी साटम, और डीवायएसपी विनोद कांबले के मार्गदर्शन में चलाया गया।

महाराष्ट्र में कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने का एफडीए का आदेश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने रविवार को कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने का आदेश जारी किया है। एफडीए की ओर से आम नागरिकों से इस संदर्भ में सतर्क रहने की भी अपील की है।

एफडीए सूत्रों ने रविवार को बताया कि तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मा द्वारा निर्मित इस सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल की मिलावट होने का संदेह है, जो एक जहरीला रसायन है जिसके सेवन से गंभीर नुकसान या यहाँ तक कि मौत भी हो सकती है। एफडीए ने कहा कि संबंधित बैच कोल्ड्रिफ सिरप (फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड, क्लोरफेनिरामाइन मैलिएट सिरप), बैच संख्या क्रमांक 13 है, जिसकी निर्माण तिथि मई 2025 और समाप्ति तिथि अप्रैल 2027 है। एफडीए ने सभी लाइसेंस धारकों, खुदरा विक्रेताओं, अस्पतालों और आम जनता को इस बैच की बिक्री, वितरण या उपयोग तुरंत रोकने और बिना किसी देरी के स्थानीय औषधि नियंत्रण अधिकारियों को इसकी सूचना देने का निर्देश दिया है।

उल्लेखनीय है कि इस कफ सिरप से मध्यप्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इसी वजह से आज एफडीए ने इस कफ सिरप की बिक्री पर तत्काल रोक लगाए जाने का आदेश जारी किया है।

बेटों को संभालो, सत्ता आती-जाती रहती है : संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बयानबाज़ी तेज़ हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को खुली चेतावनी देते हुए कहा है, 'अपने बेटों को संभालिए, सत्ता आती-जाती रहती है।' यह बयान तब आया जब नारायण राणे के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री नितेश राणे ने पूर्व शिवसेना नेता रामदास कदम द्वारा दिवंगत शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे को लेकर दिए गए विवादित बयान का समर्थन किया।रामदास कदम, जो अब एकनाथ शिंदे गुट के नेता हैं, ने दशहरा रैली के दौरान दावा किया था कि उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर दो दिन तक घर में रखा और इस दौरान उनकी उंगलियों के निशान लिए गए। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया। नितेश राणे ने रामदास कदम के दावों का समर्थन करते हुए कहा कि शव को इसलिए रोका गया क्योंकि स्विट्ज़रलैंड से कोई आने वाला था। इस बयान से उद्धव ठाकरे गुट नाराज़ हो गया और राउत ने इसे मर्यादा की सारी सीमाएं लांघने वाला बताया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **श्रीमती जया प्रेम आडवाणी**, जो फ्लैट संख्या 48, भारत महल, 86, मरीन ड्राइव, मुंबई 400 002 (जिसे आगे "उक्त फ्लैट" कहा जाएगा) में रहती हैं, **स्वर्गीय श्री प्रेम किशनचंद आडवाणी** की विधवा होने के नाते, जो उक्त फ्लैट के सह-मालिकों में से एक थे, उक्त फ्लैट को बेचना चाहती हैं।

श्रीमती **जया प्रेम आडवाणी** की जानकारी के अनुसार, पापीबाई किशनचंद आडवाणी की अंतिम वसीयत के प्रोबेट के अनुसार अन्य सह-स्वामियों का निधन हो चुका है और उनके कानूनी उत्तराधिकारियों का पता नहीं है।

अतः यह सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि यदि किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पास उक्त फ्लैट के संबंध में कोई अधिकार, हक, हित, हिस्सा या आपत्ति है या होने का दावा है, या पापीबाई किशनचंद आडवाणी की संपत्ति के कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी या दावेदार हैं, तो उन्हें इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **15 (पंद्रह) दिनों** के भीतर, प्रमाणित दस्तावेजी प्रमाण के साथ, अपने दावे या आपत्तियों को लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को बताना आवश्यक है।

यदि कोई दावा या आपत्ति हो, तो उसे निम्नलिखित पते पर भेजें:

उषा आर. तिवारी, एडवोकेट,
8, भूतल,राजा बहादुर हवेली, अंबालाल दोशी मार्ग, फोर्ट, मुंबई 400 001 मोबाइलः 9821007818
ईमेलः advocateushatiwari@gmail.com

यदि निर्धारित अवधि के भीतर ऐसा कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो श्रीमती जया प्रेम आडवाणी द्वारा की गई घोषणाओं के आधार पर बिक्री/हस्तांतरण पूरा किया जाएगा और उसके बाद उठाए गए ऐसे किसी भी दावे को छोड़ दिया गया माना जाएगा।

दिनांक: 02/10/2025
स्थान: मुंबई

नासिक में बढ़ते अपराधों पर भड़का जनाक्रोश

नासिक। शहर में बढ़ती अपराध की घटनाएं, गुंडागर्दी, नशे का व्यापार, अवैध साहूकारी, हनी ट्रैप और किसानों की समस्याओं को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट - उबाठा) ने रविवार को एकजुट होकर 'जनाक्रोश मोर्चा' निकाला। इस मोर्चे के जरिए उन्होंने प्रशासन, पुलिस और सत्ताधारी दलों को चेतावनी दी कि अगर हालात नहीं बदले, तो आंदोलन और तेज होगा। मोर्चे में शामिल नेताओं ने भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) पर आरोप लगाया कि सत्ता के लालच में ये पार्टियां अपराधियों और राष्ट्रविरोधी तत्वों को संरक्षण दे रही हैं। जिन पर हत्या, अपहरण, हनी ट्रैप, जबरन वसूली जैसे संगीन मामले हैं, उन्हें टिकट और पद दिए जा रहे हैं।

गन्ना किसानों से जबरन वसूली न करे सरकार, शरद पवार का बड़ा आरोप

- किसान संकट के बीच कटौती पर असंतोष

डीबीडी संवाददाता । मुंबई2

एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य के किसान भारी संकट में हैं। लगातार हुई भारी बारिश के कारण किसानों के उत्पादों को बड़ा नुकसान हुआ है। ऐसे में किसानों को सहायता की आवश्यकता है, लेकिन सरकार उनसे मदद की बजाय मुख्यमंत्री राहत कोष में जबरन पैसा वसूलने का दबाव बना रही है। इसी बीच सरकार ने गन्ने के दाम में 15 रुपये प्रति टन की कटौती का फैसला लिया है, जिससे किसानों में असंतोष का माहौल फैल गया है।

शरद पवार ने उठाई सरकार से पुनर्विचार की मांग

शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार को इस फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। "जो किसान नुकसान झेल रहे हैं, उनसे जबरन वसूली करना गलत है। उनकी सहायता होनी चाहिए। मैं इस मुद्दे को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तक जरूर पहुंचाऊंगा और पुनर्विचार की मांग करूंगा।" उन्होंने यह भी कहा कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के गन्ना किसान इस बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई जगह जमीनें बह गईं और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पवार ने यह भी दावा किया कि राज्य सरकार ने केंद्र से मदद मांगने के लिए अंतिम रिपोर्ट तैयार नहीं की है, जो किसानों के लिए चिंता का विषय है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कटौती को लेकर स्पष्ट किया पक्ष

वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गन्ने के दाम में कटौती के फैसले पर सफाई दी है। उन्होंने बताया कि गन्ना पेराई मंत्रिस्तरीय समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि गन्ने के बिल से 15 रुपये प्रति टन की कटौती की जाएगी। इसमें से 5 रुपये बाढ़ प्रभावित किसानों को राहत के तौर पर और 10 रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा किए जाएंगे। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि यह कटौती किसानों को दिए जाने वाले एफआरपी (फेयर एंड रेASONABLE प्राइस) से नहीं बल्कि कारखाने के मुनाफे से की जाएगी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई-निविदा सूचना

लेखा विभाग	मुख्य अभियंता (एमपीआरसी)
उप-विभाग	कार्यपालक अभियंता (एमपीआरसी) प. उप. मलाड यू. केंद्र
ई-निविदा संख्या	2025 एमसीजीएम 1223981 1
विषय	मलाड उड़ान केंद्र में एयर ब्लोअर और ड्राईवॉल रूफ एग्जॉस्ट पंखों की ओवरहालिंग और सर्विसिंग के कार्य के संबंध में।
निविदा वितरण एवं बिक्री तिथि	दिनांक 06.10.2025, प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 13.10.2025, प्रातः 16:00 बजे तक
वेबसाइट	इस ई-निविदा के लिए जारी किया गया कोई भी सुधार या शुद्धिपत्र https://mahatenders.gov.in पर प्रकाशित किया जाएगा, बोलीदाता कृपया इस पर ध्यान दें।
क) संपर्क अधिकारी	श्री जितेंद्र पाबरेकर, श्री भरत बाम्बले
ख) दूरभाष क्रमांक	9869253669 9987177069
ग) ईमेल	eemechsws.so@megm.gov.in

हस्ता/-
कार्यवाहक प्रशासन (एमपीआरसी)
प. उप मलाड उ. केंद्र

पीआरओ/1792/विज्ञापन/2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

पाकिस्तान की नफरत

इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुई निर्दोष लोगों की सुनियोजित और मजहब-आधारित हत्याओं ने जिस तरह से हमें झकझोर दिया, वह सिर्फ एक भयावह इकाई घटना नहीं थी — यह उस विचारधारा और सामाजिक विकार का प्रतीक भी है जो कुछ हिस्सों में व्याप्त है। उन 26 निर्दोषों की निर्ममता ने न केवल पीड़ित परिवारों की ज़िंदगियाँ तहस-नहस कर दीं बल्कि यह भी उजागर किया कि जहां पर राज्य या समाज अपनी नागरिकों की सुरक्षा और संवेदनशीलता के प्रति उदासीन हो, वहां कट्टरता और नफरत पनपने का पूरा अवसर मिलता है। दुख की बात यह है कि इस घटना के बाद न केवल कुछ हिस्सों में खुशी और तारीफ़ देखने को मिली, बल्कि वही रुख दिखा जिसने हमारे पड़ोसी राष्ट्र की मानसिकता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए। यह अविभाज्य रूप से एक राजनीतिक और सांस्कृतिक समस्या है — जिस समाज का एक बड़ा भाग किसी दूसरे समुदाय के प्रति घृणा और कटुता से भर चुका हो, वहां सामान्यता, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का विचलन स्वाभाविक है। पढ़े-लिखे एंकर हों, सैन्य अधिकारी हों या खिलाड़ी — सार्वजनिक मंचों पर अभद्रता और उग्र बयानबाजी केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि एक संकुचित और खतरनाक मानसिकता का परिचायक है। टीवी स्टूडियो में दिए जा रहे अपमानजनक बयानों पर हँसी या चुप्पी इस बात का संकेत है कि यह समस्या कुछ चरमपंथियों तक सीमित नहीं, बल्कि एक विस्तृत मानसिकता बन चुकी है जो सार्वजनिक व्यवहार और राजनीति में भी गूंथ चुकी है। इतिहास बताता है कि वे देश जो अपने विकास और अंदरूनी मजबूती के बजाय पड़ोसी को नीचा दिखाने और उसके खिलाफ ऊर्जा गँवाने में लगे रहते हैं, अंततः आत्मघाती नीतियों के शिकार होते हैं। पाकिस्तान का अपना इतिहास, 1965 और 1971 के युद्धों से लेकर 1999 के कारगिल संघर्ष तक, इस बात का सबूत देता है कि बार-बार टकराव और आक्रमणों का परिणाम अक्सर उसी के लिए विनाशकारी रहा है। 1971 में भारी पराजय और 1999 में सैनिकों के शव स्वीकार न करने जैसी घटनाओं ने उस देश की अंतरराष्ट्रीय छवि और आंतरिक संतुलन दोनों को प्रभावित किया। पहल आदि हमलों के बाद की स्थितियों ने यह दिखाया कि भारत ने सुरक्षा के ठोस कदम उठाए हैं और आवश्यकता पड़ने पर कड़े प्रत्युत्तर भी दिए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रत्येक कदम सिर्फ बदला लेने के लिए नहीं बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भी आवश्यक था। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कार्रवाईयों ने यह संदेश दिया कि किसी भी हिंसक संगठन या उसके ठिकानों को शरण देने वाली रियासतों को सुरक्षित जगह नहीं दी जाएगी। इससे पाकिस्तानी नेतृत्व की असहजता भी दिखी, और वह युद्धविराम के लिए दरउनने पर मजबूर हुआ। खेल के मैदानों पर भी भावनाएँ और प्रतिष्ठा शैली बदल गई है; एशिया कप के दौरान भारतीय टीम का खड़ा रुख और पाकिस्तानी अधिकारियों से दूरी बनाए रखना केवल एक राजनीतिक संकेत नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय भावना और सम्मान का प्रतीक था। जब खेल को भी किसी राजनैतिक या सुरक्षा संदेश के संदर्भ में देखा जाता है, तो खेल और कूटनीति का यह मिश्रण बताता है कि व्यापक रणनीति केवल सैनिक या कूटनीतिक कदमों तक सीमित नहीं रह सकती — यह सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और प्रतीकात्मक कदमों का सम्मिलन भी है। दूसरी तरफ, पाकिस्तान से आए बयानों में परमाणुयुक्त धमकियों का उल्लेख एक खतरनाक रेखा पार करने जैसा है। ऐसे दावे, चाहे वे झूठे हों या अतिशयोक्ति पर निर्भर हों, क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए गंभीर जोखिम उत्पन्न करते हैं।

शख्सियत — रकुल प्रीत सिंह

सुंदरता, प्रतिभा और सफलता का संगम

रकुल प्रीत सिंह आज भारतीय फिल्म जगत का जाना-माना चेहरा हैं। उन्होंने बहुत कम समय में वह मुकाम हासिल किया है, जिसके लिए कई कलाकार सालों तक संघर्ष करते हैं। उनका जीवन सफर अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास की मिसाल है। रकुल का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को दिल्ली के एक सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता कुलविंदर सिंह भारतीय सेना में कर्नल रहे हैं, जबकि मां रजिंदर कौर गृहिणी हैं।

आर्मी परिवार से ताल्लुक रखने के कारण बचपन से ही उनमें अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित हुई। बचपन से ही रकुल पढ़ाई में काफी तेज थीं, लेकिन साथ ही उन्हें खेलकूद, नृत्य और अभिनय में भी गहरी रुचि थी। उन्होंने दिल्ली के आर्मी पब्लिक स्कूल, धौला कुआं से स्कूली पढ़ाई की और दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज से गणित में ऑनर्स की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी थी। 2011 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग लिया और 'मिस फ्रेश फेस', 'मिस ब्यूटीफुल स्माइल', 'मिस टैलेंटेड' जैसी कई उपाधियाँ जीतीं। इसी वर्ष उन्हें कन्नड़ फिल्म गिल्ली में काम करने का मौका मिला, जिससे उनका अभिनय सफर शुरू हुआ। हालांकि शुरुआती दौर में उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में ही काम किया, लेकिन धीरे-धीरे अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर तेलुगु, तमिल और फिर हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बना ली। लौक्यम (2014) से उन्हें तेलुगु फिल्मों में पहचान मिली। इसके बाद नन्नाकु प्रेमथो, सरैनोडु, ध्रुव, स्पायडर, और मनमधुडु 2 जैसी फिल्मों में उनकी अदाकारी ने दर्शकों को प्रभावित किया। हिंदी फिल्मों में उन्होंने यारियां (2014) से डेब्यू किया, जो युवाओं के बीच सुपरहिट रही। इसके बाद उन्होंने अय्यारी, दे दे प्यार दे (अजय देवगन और तब्बू के साथ), मरजावां, अटैक, थैंक गॉड और छत्रीवाली जैसी फिल्मों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। दे दे प्यार दे में उनका किरदार परिपक्व और बोल्ड दोनों था, जिससे वे बॉलीवुड में मजबूती से स्थापित हुईं। रकुल सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि फिटनेस आइकन भी हैं। वे रोजाना योग और वर्कआउट करती हैं। उन्होंने F45 Gym नामक फिटनेस सेंटर की को-ओनरशिप ली है, जो मुंबई में स्थित है। वह सोशल मीडिया पर अपने फिटनेस रूटीन और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए प्रेरणादायक वीडियो साझा करती रहती हैं। 2024 में रकुल ने अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड और अभिनेता-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी से शादी की। उनकी शादी गोवा में बेहद खूबसूरत तरीके से संपन्न हुई, जिसमें सिख और सिंधी दोनों परंपराओं का समावेश था। शादी समारोह में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल हुए। शादी के बाद भी रकुल और जैकी अपने करियर पर समान रूप से फोकस कर रहे हैं। रकुल पर्यावरण संरक्षण की समर्थक हैं। वह 'बी द चेंज' नामक मुहिम से जुड़ी हैं, जो प्लास्टिक-मुक्त जीवन और स्वच्छता पर केंद्रित है। इसके अलावा, वह कई सामाजिक अभियानों का हिस्सा रही हैं, जैसे कि बालिकाओं की शिक्षा और फिटनेस अवेयरनेस प्रोग्राम्स। रकुल प्रीत सिंह अपनी सादगी और पेशेवर रवैये के लिए जानी जाती हैं। वे अपने हर काम में सकारात्मकता लाती हैं और सेट पर हमेशा अनुशासित और समयनिष्ठ रहती हैं। निर्देशक और सह-कलाकार उनके व्यवहार और कार्यशैली की अक्सर तारीफ करते हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं, जिनमें एक महिला-प्रधान ड्रामा फिल्म और एक बड़े एक्शन थ्रिलर की चर्चा है। रकुल का मानना है कि "हर कलाकार को समय के साथ खुद को नया रूप देना चाहिए, क्योंकि बदलाव ही स्थायित्व की पहचान है।" उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास से हर सपना साकार किया जा सकता है। दिल्ली की एक आम लड़की से लेकर भारत की ग्लैमरस और सम्मानित अभिनेत्रियों में शुमार होना उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन का प्रमाण है।

जयोस्तुते भाग-40

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विद्यार्थी शाखा के रूप में पहचानी जाने वाली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की स्थापना वर्ष 1949 में संघ के प्रचारक बलराज मधोक ने गुरुजी की प्रेरणा से की थी। किंतु आज अभाविप जो कुछ भी है, उसका समग्र श्रेय प्रो. यशवंतराव केलकर को जाता है। वर्ष 1958 में जब उन्होंने अभाविप की बागडोर संभाली, तब से संघ की इस विद्यार्थी शाखा अभाविप को मदन दास देवी, भाऊराव देवरस, प्रो. बाल आपटे, डॉ. अशोक मोडक जैसे संगठनात्मक कौशल रखने वाले नेता / कार्यकर्ता मिले और अभाविप का पूरे भारत में विस्तार हुआ तथा इसे अपनी एक विशिष्ट पहचान प्राप्त हुई।

मूल लेख : अवधूत वाघ

(मुंबई के प्रथम आरएसएस संघचालक स्व. दादा राव नाईक की महान विरासत को जारी रखने और युवावस्था में आरएसएस और एवीबीपी से जुड़कर गर्व महसूस करनेवाले सारस्वत बैंक के पूर्व निदेशक अवधूत वाघ महाराष्ट्र भाजपा के राज्य प्रवक्ता हैं। वीजेटीआई से 1981 बैच के इंजीनियरिंग स्नातक और जमनालाल बजाज संस्थान से 1987 बैच के वित्तीय प्रबंधन में परा-स्नातक अवधूत वाघ एक शिक्षाविद् होने के साथ-साथ प्रखर समाजसेवी हैं। जल संसाधन क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करनेवाले चार्टर्ड इंजीनियर वाघ को भारत में पेट्रोलियम रिफाइनरियों में वीओसी संग्रह और निष्कासन प्रणाली के लिए आयात विकल्प प्रौद्योगिकी को डिजाइन करने का श्रेय जाता है। मंझे हुए कबड्डी खिलाड़ी और कवि-लेखक अवधूत वाघ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सिलसिलेवार ब्लॉग लिखकर भ्रांतियों को ध्वस्त करने और तथ्यों को सरल तरीके से सामने लाने का काम किया है।)

देश के पुनरुत्थान की गारंटी देने वाला यह संगठन राष्ट्र के प्रति समर्पित है। अभाविप ने महाविद्यालयीन छात्रों की ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। आज लगभग सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अभाविप की शाखाएं कार्यरत हैं और वहां छात्रों के हित में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। छात्रों में निहित कलात्मकता व खेल जैसी प्रतिभाओं को विकसित करते हुए, उनके नेतृत्व गुणों को निखार कर भविष्य के आदर्श नेता निर्माण करने का मूल कार्य अभाविप करती है। स्वामी विवेकानंद, अभाविप के प्रेरणास्रोत हैं। उनकी जयंती को पूरे भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद को संपूर्ण विश्व को हिंदू धर्म से परिचित कराने वाले युवा संत के रूप में जाना जाता है। हिंदुत्व और भारतीयता ये दो शब्द समानार्थी हैं और इस देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है- ऐसा कहने वाले स्वामी विवेकानंद के दिखाए मार्ग और शिक्षाओं पर चलकर अभाविप अपनी दिशा तय करती है।

अभाविप की स्थापना से पहले, कम्युनिस्ट विचारधारा से प्रेरित मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' और कांग्रेस-समर्थित 'नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया' जैसे कथित धर्मनिरपेक्ष छात्र संगठनों ने महाविद्यालयों में अपना जाल फैलाया था। छात्रों के मन में वामपंथी और नास्तिक विचारधारा रोपित कर उन्हें अराजकता की ओर ले जाना इनका प्रमुख उद्देश्य था। इस उद्देश्य को निष्फल करने हेतु छात्र क्षेत्र में संघ विचारों के अनुकूल छात्र संगठन की आवश्यकता महसूस की गई। संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर गुरुजी के प्रेरणा से अभाविप की स्थापना हुई और उल्लेखनीय ढंग से वामपंथी रुझान वाले छात्र आंदोलन को अभाविप ने राष्ट्रशक्ति की दिशा में मोड़ने में सफलता प्राप्त की।
स्वातंत्र्यपूर्व काल में स्वतंत्रता संग्राम में छात्रों का योगदान अतुलनीय था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद भी कई छात्र नेता अपने-अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। 1974 में गुजरात में कांग्रेस की चिमनभाई पटेल सरकार के विरुद्ध छात्रों द्वारा आरंभ किया गया नवनिर्माण आंदोलन, चिमनभाई पटेल के इस्तीफे के बाद भी जारी रहा। यह आंदोलन बिहार तक फैला और उसे लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व प्राप्त हुआ। इसके बाद का इतिहास सभी को ज्ञात है। असम में 1980 के दशक के अंत में बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध 'ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन' द्वारा आरंभ किया गया आंदोलन राज्य में सत्ता परिवर्तन का कारण बना। इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि राजनीति में बड़ा परिवर्तन लाने की शक्ति छात्रों के पास है।
लेकिन इससे पहले ही दूरदृष्टि रखने वाले संघ नेतृत्व को इसका अनुमान हो गया था, और इसी कारण 1949 में अभाविप का जन्म हुआ। चाहे वह फीस वृद्धि का मुद्दा हो, पेपर लीक हो, विश्वविद्यालय में फैला भ्रष्टाचार हो या परीक्षा से संबंधित कोई भ्रम- अभाविप ऐसे सभी छात्रहित के मुद्दों को मुखरता से उठाती है। छात्रों को आकर्षित करने हेतु काव्यपाठ, गायन, नृत्य, एकांकिका, वक्तृत्व, वाद-विवाद जैसी विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाता है। इसके साथ ही व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल और नेतृत्व विकास जैसे शिविरों का आयोजन भी किया जाता है, जिससे छात्रों की कला और नेतृत्व क्षमता को मंच मिलता है और उनमें संगठनात्मक कौशल का विकास होता है। इन स्पर्धाओं और शिविरों से भाईचारा बढ़ता है और संगठन का विस्तार होता है। अभाविप का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक क्षेत्र और विश्वविद्यालय प्रणाली में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। संघ विचारधारा के आधार पर छात्रों के सर्वांगीण और स्थायी विकास के लिए अभाविप कार्य करती है। 'छात्रशक्ति अर्थात राष्ट्रशक्ति' का ध्येय रखने वाली अभाविप 'छात्रशक्ति' नामक एक मासिक पत्रिका भी प्रकाशित करती है, जो हिंदी भाषा में इसका मुखपत्र है। देश के पांच हजार से अधिक शहरों के 9000 कॉलेजों में 50 लाख से अधिक छात्र सदस्यता प्राप्त कर चुके हैं, जिससे यह केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बन चुका है। अभाविप ने कुछ मामलों में संघ का अनुसरण किया है- जैसे संघ में प्रचारक होते हैं वैसे ही अभाविप में भी कुछ छात्र औपचारिक शिक्षा पूर्ण होने के बाद कुछ वर्षों तक संगठन के लिए प्रचारक के रूप में काम करते हैं, जिससे संगठन को बड़ा लाभ मिलता है।
पूर्वोत्तर भारत के छात्रों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने हेतु 1965 में आचार्य गिरिराज किशोर की अध्यक्षता में अभाविप ने 'स्टूडेंट्स एक्सपीरियंस इन इंटरस्टेट लिविंग' नामक कार्यक्रम प्रारंभ किया, जो अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्वोत्तर के छात्रों को वार्षिक अवकाश के दौरान भारत के विभिन्न शहरों के संघ-समर्थक परिवारों में निवास और भोजन की व्यवस्था की जाती थी, जिससे वे भारत की विविधता से परिचित हो सकें। इससे पूर्वोत्तर भारत के हजारों परिवार देश के बाकी हिस्सों से जुड़े और उनमें भावनात्मक संबंध विकसित हुआ।
पिछले 75 वर्षों के इतिहास में अभाविप ने देश को अनेक नेता दिए। भारत के पूर्व वित्तमंत्री अरुण जेटली, अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके थे। भाजपा के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा भी अभाविप के कार्यकर्ता रह चुके हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, प्रकाश जावडेकर, धर्मेंद्र प्रधान, अनंत कुमार, रविशंकर प्रसाद, वी. मुरलीधरन, कैलाश चौधरी, भूपेंद्र यादव, नित्यानंद राय- इन सभी की राजनीतिक शुरुआत अभाविप से हुई थी। इतना ही नहीं, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर पर्रिकर, देवेंद्र फडणवीस, रघुवर दास, विजय रुपाणी, जयराम ठाकुर, बिप्लव कुमार देब, योगी आदित्यनाथ, तीरथ सिंह रावत, पुष्कर सिंह धामी, मोहन यादव, भजनलाल शर्मा, विष्णुदेव साई - इन सभी वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों की राजनीतिक पृष्ठभूमि भी अभाविप से जुड़ी है।
संघ की तरह ही अभाविप भी 'श्रेष्ठ नागरिक' निर्माण करने का लक्ष्य रखती है। अभाविप से तैयार हुए युवक-युवतियां समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देते हैं। जो कार्यकर्ता राजनीति के क्षेत्र में रुचि रखते हैं वे स्वाभाविक रूप से भाजपा में कार्य करना चाहते हैं। इस कारण से, अभाविप को भारतीय जनता पार्टी का प्रवेशद्वार भी कहा जाता है। **क्रमशः**

अनुसर्जन : श्वेता शालिनी

(श्री हरि के आनंद-अश्रु से उपजी पापनाशिनी सरिता 'मां सरयू' की सेवा में समर्पित अपने परिवार की शुचिता और सेवा की विरासत को बखूबी सहेजनेवाली श्वेता शालिनी महाराष्ट्र भाजपा की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी हैं। इससे पूर्व सचिव और भाजपा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ की महाराष्ट्र प्रभारी की जिम्मेदारियों का उल्लेखनीय निर्वाह कर चुकी श्वेता शालिनी इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ एक सफल उद्यमी हैं। महाराष्ट्र सरकार गठित सेक्शन 8 कंपनी वीएसटीएफ की पूर्व कार्यकारी निदेशक भी रह चुकी हैं। एक प्रखर वक्ता के रूप में विशेष मुकाम रखनेवाली श्वेता शालिनी दर्शनशास्त्र, जीवन-शास्त्र और अर्थशास्त्र जैसे गूढ़ विषयों पर लिखनेवाली एक प्रतिष्ठित स्तंभकार होने के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं और विशेषकर ग्रामीणों के उत्थान में कार्य करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अनुसर्जन का यह उनका पहला प्रयोग है।)

(यह कॉलम हर उस इंसान के लिए है जो संघ को समझना चाहता है, फिर वह समर्थन में हो या विरोध में : संपादक)

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

शिवलिंगः ब्रह्मांडीय ऊर्जा और परम शिव का प्रतीक

ॐ नमः शिवाय मंत्र शिव तत्व का सार है, जिसका अर्थ है— मैं उस कल्याणकारी, निराकार, परम चेतना शिव को नमन करता हूँ। शिवलिंग की पूजा इसी मंत्र से जुड़ी है। शिवलिंग कोई साधारण पत्थर नहीं, बल्कि यह ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रतीक है। संस्कृत में 'लिंग' शब्द का अर्थ होता है— चिह्न या प्रतीक। इस प्रकार 'शिवलिंग' का अर्थ हुआ शिव का प्रतीक या चिन्ह। यह उस परम पुरुष और प्रकृति के मिलन का प्रतीक है, जिससे सृष्टि की उत्पत्ति होती है। वायुपुराण के अनुसार, शिवलिंग संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतीक है। इसका ऊर्ध्वाकार रूप सृष्टि की धुरी का प्रतीक माना गया है। इसी कारण इसे ज्योतिर्लिंग भी कहा जाता है, अर्थात प्रकाश का स्तंभ।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

महामृत्युंजय मंत्र, जो ऋग्वेद से लिया गया है, शिव की उपासना में अत्यंत प्रभावशाली माना गया है—
"ॐ हौं जूं सः ॐ भुर्भुवः स्वः ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। ऊर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ॐ स्वः भूः भुवः ॐ सः जूं हौं ॐ॥"
इसका अर्थ है— हम उस त्रिनेत्रधारी शिव की उपासना करते हैं, जो सुगंध की तरह सर्वत्र व्याप्त हैं और सभी को पोषण देने वाले हैं। वे हमें मृत्यु के बंधन से मुक्त करें और अमरता प्रदान करें। यह मंत्र मृत्यु, भय, रोग और अशुभ शक्तियों से रक्षा करने वाला माना गया है।
शिवलिंग का आकार और रूप भी गूढ़ अर्थ रखता है। इसका ऊपरी गोल भाग ब्रह्म का प्रतीक है, मध्य भाग विष्णु का और आधार या पीठिका शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इस प्रकार शिवलिंग सृष्टि के तीन तत्त्वों— उत्पत्ति, स्थिति और लय— का प्रतिनिधित्व करता है। यही कारण है कि शिवलिंग को ब्रह्मांड की ऊर्जा का केंद्र कहा गया है।
शिव के अवतार अनेक हैं। शिवपुराण

में उल्लेख है कि उन्होंने संसार के संतुलन हेतु कई बार विभिन्न रूप धारण किए। इनमें दुर्वासा, हनुमान, महेश, वृषभ, पिप्पलाद, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, अवधूतेश्वर, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, ब्रह्मचारी, सुनटनतर्क, अश्वत्थामा, किरात और नतेश्वर आदि प्रमुख हैं। हनुमानजी को शिव का ग्यारहवां रुद्रावतार माना जाता है। वे शक्ति, भक्ति और समर्पण के प्रतीक हैं। भैरव को शिव का उग्र रूप कहा गया है। इनका मुख्य उद्देश्य बुराइयों का नाश और धर्म की रक्षा करना है। भैरव के दो प्रमुख रूप हैं— काल भैरव और बटुक भैरव। शिव के प्रत्येक मंदिर में भैरव को रक्षक देवता के रूप में स्थापित किया जाता है। कहा जाता है, "जहां भैरव नहीं, वहां शिव नहीं।" भगवान शिव के द्वारपालों में नंदी, स्कंद, रिति, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल शामिल हैं। ये सभी शिवलोक की सुरक्षा और शिव की आज्ञा पालन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। इसी प्रकार शिव पंचायत में पांच देवता प्रमुख हैं— सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु। इन पांचों की सामूहिक उपासना से सृष्टि में संतुलन और सामंजस्य बना रहता है।
शिव के पार्षदों में बाणासुर, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शामिल हैं। ये शिव की सेवा और आदेशों का पालन करते हैं। नंदी और भृंगी को गण, द्वारपाल और पार्षद तीनों रूपों में वर्णित किया गया है। शिव गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंडिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिति, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। पिशाच, दैत्य, नाग और पशु भी शिव के गण माने जाते हैं। ये सभी सृष्टि और आत्माओं की रक्षा करते हैं। वीरभद्र शिव के सबसे पराक्रमी गणों में से एक थे, जिन्हें शिव ने दक्ष प्रजापति के यज्ञ को नष्ट करने के लिए अपनी जटा से उत्पन्न किया था। शिव ने ज्ञान के सात पहलुओं को सात ऋषियों को प्रदान किया, जिन्हें सप्तऋषि कहा गया। ये हैं— अत्रि, भरद्वाज, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, कश्यप और अंगिरा। शिव ने इन्हें योग और ब्रह्मज्ञान के रहस्य बताए। इसी कारण शिव को आदियोगी कहा जाता है, अर्थात योग का प्रथम गुरु।

अपने विचार

6 सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश का पैसा कुछ खास लोगों के बीच केंद्रित हो गया है। इसके कारण हमारे देश में भारी आर्थिक असमानता पैदा हुई है। यह असमानता व्यापक सामाजिक असुरक्षा और असंतोष को जन्म दे रही है।

- जयराम रमेश
महासचिव, कांग्रेस

"बहुत से सिंधी भाई बैठे हैं, मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गए थे, बल्कि अखंड भारत में ही थे। हालात ने हमें यहां लाकर बैठा दिया, वरना हमारा वह घर और यह घर अलग नहीं है।"

-मोहन भागवत
आरएसएस प्रमुख

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

DBD
दो बजे दोपहर
विविधा
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

भगवान शंकर के श्रीमुख से प्रवाहित श्रीराम जन्म की अद्भुत और रहस्यमयी कथा

एक बार कैलाश पर्वत पर माता पार्वती अपने आराध्य प्रभु महादेव के समीप बैठी हुई थीं। वातावरण पूर्णतः शांत था, केवल मंद-मंद हिमालय की वायु बह रही थी और नीलकंठ शिव समाधि भाव में लीन थे। तभी माता पार्वती ने मधुर स्वर में कहा, "प्रभो! आप सर्वज्ञ हैं, त्रिकालदर्शी हैं। मुझे यह बताइए कि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के रूप में अवतार क्यों लिया? क्या कारण था कि परमब्रह्म, जो जन्म और मृत्यु से परे हैं, उन्होंने मनुष्य शरीर धारण किया?"

माता की यह विनम्र जिज्ञासा सुनकर महादेव का गंभीर मुखमंडल हल्की मुस्कान से खिल उठा। उन्होंने करुणा भरे स्वर में कहा — "देवि! तुम्हारा यह प्रश्न अत्यंत पवित्र है। जो भी श्रीराम जन्म के रहस्य को सुनता है, उसका हृदय निर्मल होकर भक्ति और ज्ञान से पूर्ण हो जाता है। श्रीराम के जन्म के एक नहीं, अनेक कारण हैं। वे इतने विचित्र और दिव्य हैं कि उनका वर्णन शब्दों की सीमाओं में बांधना असंभव है। 'राम जन्म के हेतु अनेका। परम विचित्र एक ते एका॥' — एक कारण को बताना तो मानो महासागर को एक कलश में भरने के समान है।"

महादेव ने आगे कहा, "हे भवानी! यद्यपि मैं सर्वज्ञ हूं, परंतु श्रीराम की लीला अनंत है। फिर भी तुम्हारे अनुरोध पर मैं उन दिव्य घटनाओं का संक्षिप्त वर्णन करूँगा, जिनके कारण साक्षात् परमात्मा ने मनुष्य रूप में अवतार लेकर धर्म की स्थापना की।"

जय-विजय का अहंकार और सनकादि ऋषियों का श्राप

भगवान शंकर बोले — "हे देवी! श्रीहरि विष्णु के परम प्रिय दो द्वारपाल थे — जय और विजय। वे अपने स्वामी के नित्य सहचर, अत्यंत सामर्थ्यवान और तेजस्वी थे। परंतु समय के साथ उनमें एक सूक्ष्म अहंकार उत्पन्न हो गया। उन्हें लगा कि वे कोई साधारण सेवक नहीं, बल्कि स्वयं विष्णु के द्वार के स्वामी हैं। इस अहंकार ने उनके मन में यह भ्रम भर दिया कि वे जिसे चाहें, उसे भगवान से मिलने से रोक सकते हैं।"

अहंकार जब किसी के भीतर आता है, तो विवेक नष्ट हो जाता है। वही हुआ। एक दिन ब्रह्मा के मानस पुत्र सनक, सनंदन, सनातन और सनत्कुमार — ये चारों बालक स्वरूप ऋषि वैकुण्ठ के दर्शन हेतु आए। वे भगवान के प्रेम में इतने तल्लीन थे कि उन्हें यह भी ध्यान नहीं रहा कि द्वार पर कोई रक्षक खड़ा है। वे सीधे प्रभु के दर्शन के लिए भीतर प्रवेश करने लगे।

जय और विजय ने जब देखा कि ये चारों बिना अनुमति भीतर जा रहे हैं, तो उनके भीतर का अहंकार ज्वालामुखी की तरह फूट पड़ा। वे गर्जन करते हुए बोले, "ठहरो! क्या तुम नहीं जानते कि यह विष्णु का निजी क्षेत्र है? यहाँ कोई ऐसे ही नहीं जा सकता!"

सनकादि ऋषि शांत स्वर में मुस्कराए। उनके मुखमंडल पर कोई क्रोध नहीं था। वे बोले, "बेटा, वैकुण्ठ में कोई बाहर या भीतर नहीं होता। यह वह लोक है जहाँ भेद समाप्त हो जाते हैं। यहाँ कोई द्वारपाल भी वैकुण्ठवासी होता है, कोई बाहर का नहीं।"

यह सुनते ही जय और विजय के अहंकार को और चोट पहुँची। उन्होंने कटु वचन कहे, और अपमानजनक व्यवहार किया। सनकादि ऋषि अब मौन रहे, परंतु जब उन्होंने देखा कि ये द्वारपाल अपने स्वामी के प्रेम को भी तुच्छ मान रहे हैं, तब उन्होंने गंभीर स्वर में कहा, "हे मूर्खो! तुम्हारे भीतर अब कोई दैवी भाव नहीं रहा। तुम राक्षस हो। अतः जाओ, उसी रूप में मृत्युलोक में जन्म लो और अपने कर्मों का फल भोगो।"

उनके वचन के साथ ही आकाश में बिजली-सी चमकी। जय और विजय का तेज म्लान पड़ गया। वे कंपित स्वर में बोले, "हे ऋषिवर! हमसे भूल हो गई। कृपा करें। हमें ऐसा कठोर श्राप न दें।"

तब भगवान विष्णु स्वयं प्रकट हुए। उन्होंने सनकादि को प्रणाम किया और कहा, "महर्षिगण, मेरे इन सेवकों ने अहंकारवश अपराध किया है। किंतु यह भी मेरी लीला का एक अंग है। जो होना है, वह तुम्हारे माध्यम से ही पूर्ण हो रहा है।"

फिर उन्होंने जय और विजय से कहा, "हे मेरे सेवकों! तुम्हें अब दो विकल्प मिलते हैं। या तो सात जन्म तक भक्त रूप में मेरे दर्शन से वंचित रहो, या तीन जन्म तक मेरे विरोधी बनकर शीघ्र ही मोक्ष प्राप्त करो।"

जय और विजय बोले, "प्रभु! आपके विरोध में जन्म लेना तो कठिन है, परंतु आपके दर्शन से सात जन्म तक दूर रहना असह्य है। हमें वह मार्ग स्वीकार है जिसमें शीघ्र ही पुनः आपकी सेवा का अवसर मिले।"

भगवान विष्णु मुस्कराए — "तथास्तु। अब तुम राक्षस रूप में जन्म लेकर मेरे ही हाथों मोक्ष पाओगे। यह लीला युगों तक याद की जाएगी।" और फिर वही जय और विजय पहले जन्म में हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु बने, जिन्हें वराह और नरसिंह रूप में भगवान ने मुक्त किया। दूसरे जन्म में वे रावण और कुम्भकर्ण बने, जहाँ स्वयं भगवान श्रीहरि ने श्रीराम रूप में अवतार लेकर उनका उद्धार किया।

श्रीराम जन्म का दिव्य रहस्य

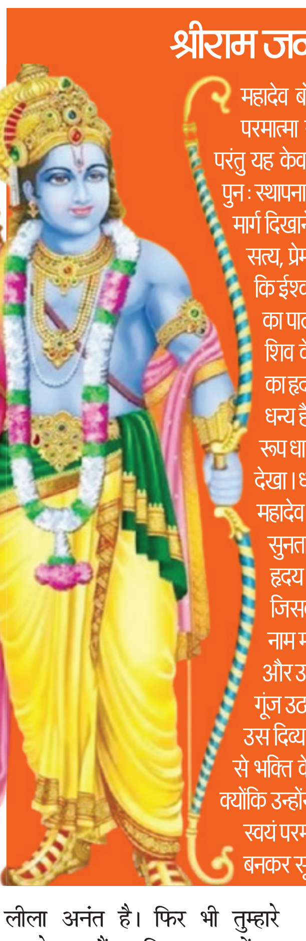

महादेव बोले — "हे भवानी! यही वह कारण था जिसके लिए परमात्मा ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के रूप में अवतार लिया। परंतु यह केवल एक कारण नहीं था। श्रीराम का अवतरण धर्म की पुनःस्थापना, मर्यादा के संरक्षण, और मानवता को आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने के लिए भी था। श्रीराम केवल दशरथ पुत्र नहीं थे; वे सत्य, प्रेम, और कर्तव्य के जीवंत स्वरूप थे। वे यह दिखाने आए कि ईश्वर जब मनुष्य रूप में आता है, तो वह भी अपने ही नियमों का पालन करता है।"

शिव के श्रीमुख से बहती यह कथा इतनी मधुर थी कि पार्वती का हृदय भक्ति से भर उठा। उन्होंने आँसुओं से कहा — "प्रभो! धन्य हैं वे माता कौशल्या, जिनकी गोद में स्वयं भगवान ने बाल रूप धारण किया। धन्य है वह अयोध्या, जिसने श्रीराम का जन्म देखा। धन्य हैं वे युग, जिन्होंने राम नाम का उच्चारण किया।"

महादेव ने कहा, "देवि, जो इस कथा को श्रद्धा और एकाग्रता से सुनता है, वह जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है। उसके हृदय में 'राम' नाम का प्रकाश प्रकट होता है। यही वह नाम है, जिसके उच्चारण से मैं स्वयं भी आनंदित हो उठता हूँ — राम नाम मन मोहक मोती, जो जपै सो पावै शांति अति होती।"

और उस क्षण, कैलाश की वायु में "जय श्रीराम" का पवित्र स्वर गूंज उठा। ऐसा लगा जैसे स्वयं आकाश, धरती और दिशाएँ भी उस दिव्य कथा के रसनिष्ठ सुरों में झूम उठीं। महादेव की आँखों से भक्ति के आँसू झरने लगे, और पार्वती नतमस्तक हो गईं — क्योंकि उन्होंने समझ लिया था कि राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि स्वयं परमब्रह्म का वह रूप है, जो करुणा और मर्यादा का संगम बनकर सृष्टि को दिशा देता है।

जब अहंकार से उत्पन्न भक्ति बन गई शिव की आराधना

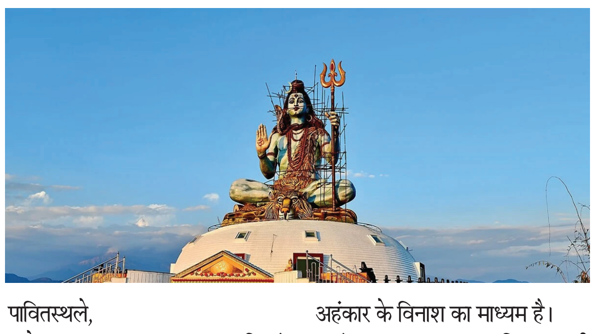

लंका के स्वर्ण महलों में, रावण नाम का एक महान परंतु अहंकारी राजा निवास करता था। रावण केवल बलवान नहीं, बल्कि अत्यंत विद्वान, ज्योतिष, आयुर्वेद, वेद-शास्त्रों और संगीत का ज्ञाता भी था। वह भगवान शिव का परम भक्त था और अपनी भक्ति को सिद्ध करने के लिए उसने वह किया, जिसे आज भी संसार विस्मय और श्रद्धा से सुनता है — शिव तांडव स्तोत्र की रचना। कहानी कहती है कि जब रावण ने हिमालय के कैलाश पर्वत को उठाने का प्रयास किया, तो पृथ्वी और आकाश हिल उठे। भगवान शिव कैलाश पर पार्वती के संग स्थित थे। रावण का अहंकार इतना बढ़ गया था कि वह सोच बैठा कि "मैं शिव के धाम को अपने साथ लंका ले जाऊँगा।" परंतु वह भूल गया कि शिव कोई साधारण देव नहीं, वे स्वयं "महाकाल" हैं — समय और मृत्यु के भी स्वामी। भगवान शिव ने जब रावण का यह दुस्साहस देखा, तो उन्होंने अपने पैर के अंगूठे से पर्वत को हल्का-सा दबाया। बस उसी क्षण पूरा पर्वत कांप उठा, और रावण की दसों भुजाएँ उसके नीचे दब गईं। वह वेदपाठी ब्राह्मण, जो अब तक गर्व में चूर था, असहाय होकर वेदना से कराहने लगा। कई दिनों तक रावण उस पर्वत के नीचे फंसा रहा। तब उसके भीतर का अहंकार धीरे-धीरे गलने लगा, और भक्ति का तेज उसके मन में प्रकट हुआ। कहा जाता है, उसी अवस्था में उसके कंठ से वह अमर स्तोत्र निकला — "शिव तांडव स्तोत्रम्।" हर पंक्ति में रावण ने न केवल अपनी पीड़ा को व्यक्त किया, बल्कि भगवान शिव की महिमा का ऐसा वर्णन किया कि उसका उच्चारण मात्र मन, बुद्धि और आत्मा को पवित्र कर देता है— "जटाटवी गलज्जल प्रवाह पावितस्थले,
गलेऽवलम्ब्य लम्बितां
भुजङ्गतुंगमालिकाम्।"

यह श्लोक केवल काव्य नहीं था, यह रावण के आत्म-परिवर्तन का प्रतीक था। उसने जिस शिव को शक्ति से जीतने की चेष्टा की थी, उसी शिव को उसने अब प्रेम और समर्पण से पा लिया।

शिव तांडव स्तोत्र के प्रत्येक पद में ब्रह्मांड की गति, सृष्टि और संहार का अद्वितीय संगम है। इसमें शिव के जटाओं से बहती गंगा, उनके नीलकंठ की विषाग्नि, डमरू की गूंज, और भस्म-विभूषित शरीर का चित्रण मिलता है। यह केवल एक स्तोत्र नहीं, बल्कि वह दिव्य लय है, जिसमें समस्त ब्रह्मांड नृत्य करता है। रावण के इस स्तोत्र से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उसे वरदान दिया — "हे लंकाधिपति, तेरा यह स्तोत्र जब तक इस सृष्टि में गाया जाएगा, तब तक तू मेरे श्रेष्ठ भक्तों में गिना जाएगा। जो कोई श्रद्धा से इसका पाठ करेगा, उसे मैं धन, बुद्धि और विजय दूँगा।"

कहा जाता है कि शिव तांडव स्तोत्र का नियमित पाठ करने से व्यक्ति के भीतर की नकारात्मक शक्तियाँ नष्ट होती हैं, शत्रु शांत होते हैं, और जीवन में अपार संपन्नता व आत्मबल का संचार होता है। यह स्तोत्र केवल धन या वैभव के लिए नहीं, बल्कि आत्मा के उत्कर्ष और अहंकार के विनाश का माध्यम है।

सायंकाल जब भगवान शिव अपनी अर्धनारीश्वर रूप में भगवती त्रिपुरसुंदरी के संग रत्न सिंहासन पर बैठकर तांडव करते हैं, तब पूरा ब्रह्मांड उस नृत्य की लय में कंपन करता है। रावण ने उस नृत्य की अनुभूति अपने शब्दों में बांध दी —

वह नृत्य जिसमें सृष्टि का सृजन, पालन और संहार एक साथ घटित होते हैं।

जो साधक श्रद्धा और एकाग्रता से प्रतिदिन शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करता है, वह जीवन की अस्थिरताओं में भी स्थिर रहना सीखता है। उसके जीवन में धन, यश और विजय अपने आप आने लगते हैं, क्योंकि भगवान शिव की कृपा उसके कर्मों को पवित्र दिशा देती है।

रावण की कथा हमें यह सिखाती है कि भले ही मनुष्य कितना भी ज्ञानी या शक्तिशाली क्यों न हो, जब तक उसके भीतर समर्पण नहीं आता, वह अपूर्ण है। और जब समर्पण प्रकट होता है, तब अहंकार की राख से भक्ति का कमल खिलता है — वही क्षण होता है जब "रावण" भी "भक्त रावण" बन जाता है, और उसकी वाणी अमर हो जाती है।

इसलिए कहा गया है —
"शिव तांडव स्तोत्र" केवल स्तुति नहीं, एक ऊर्जा है।

ईमानदारी का प्रेरक जीवन

ईमानदारी किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का सबसे गहरा आभूषण होती है। यह वह मूल्य है जो किसी भी युग में मनुष्य को महान बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर सत्य के प्रति निष्ठा और चरित्र की दृढ़ता होती है, तब वह अपने आचरण से समाज को प्रेरणा देता है। ऐसे ही प्रेरक प्रसंग का उदाहरण सरदार वल्लभभाई पटेल और उनकी पुत्री मणिबेन का जीवन है।

एक बार जब लौहपुरुष सरदार पटेल वृद्धावस्था में गंभीर रूप से बीमार पड़े, तो देशभर में चिंता की लहर दौड़ गई। स्वतंत्रता सेनानी और उनके घनिष्ठ सहयोगी महावीर त्यागी जी उन्हें देखने उनके निवास पर पहुँचे। कमरे में प्रवेश करते ही उनका ध्यान एक ओर पड़ा—वह दृश्य उनके मन को गहराई से छू गया। सरदार पटेल की पुत्री मणिबेन अपने पिता की सेवा में पूर्ण समर्पण से लगी हुई थीं। उनके चेहरे पर थकान तो थी, पर आँखों में सेवा की दीप्ति थी।

त्यागी जी ने देखा कि मणिबेन की सादी धोती में कई स्थानों पर पैबंद लगे हुए हैं। उन्हें यह देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। मन में प्रश्न उठा कि क्या भारत जैसे विशाल देश को एकता के सूत्र में बाँध देने वाले महापुरुष की बेटी इतनी सादगी में जीवन व्यतीत कर रही है? उन्होंने मुस्कराकर पूछा—

"मणि! तुम उस व्यक्ति की बेटी हो जिसने बिखरे हुए भारत को एक कर दिया, जिसने रियासतों को जोड़कर अखंड भारत की नींव रखी। ऐसे महान व्यक्ति की संतान होकर भी तुम इतनी सादगी में रहती हो? क्या तुम्हें ऐसा करने में कोई असहजता नहीं होती?"

मणिबेन ने पिता के बिस्तर के पास बैठते हुए शांत किंतु दृढ़ स्वर में उत्तर दिया—

"त्यागी जी! शर्म उन्हें आनी चाहिए जो झूठ, लालच और बेईमानी से जीवन जीते हैं। मुझे तो गर्व है कि मैं एक ईमानदार, सादगीप्रिय और निष्ठावान पिता की बेटी हूँ। हमारे पास सीमित साधन हैं, परंतु वे साधन सत्य की कमाई से प्राप्त हैं। मैं चाहती हूँ कि मेरा जीवन भी उसी सादगी और नैतिकता का प्रतीक बने। मेरे पिता ने कभी अपने पद या प्रभाव का दुरुपयोग नहीं किया, तो मैं भला क्यों उनके आदर्शों से भटकूँ?" उनके इन शब्दों ने त्यागी जी को मौन कर दिया। उन्होंने देखा कि जहाँ सरदार पटेल का जीवन देश की एकता का प्रतीक था, वहीं मणिबेन का जीवन सत्य और ईमानदारी की मूर्ति था। यह वही संस्कार थे जो उन्हें अपने पिता से मिले थे।

यह प्रसंग केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत की आत्मा की झलक है जो "सादा जीवन, उच्च विचार" में विश्वास रखती थी। ईमानदारी कोई वस्त्र या आभूषण नहीं, यह आत्मा की शुद्धता है। मणिबेन की सादगी वस्त्रों में नहीं, बल्कि उनके विचारों में थी—वह विचार जो आज भी हर भारतीय को यह सिखाते हैं कि सम्मान धन से नहीं, सत्य और निष्ठा से प्राप्त होता है। जो व्यक्ति जीवन में ईमानदारी को अपनाता है, वह समाज में प्रकाश का स्रोत बन जाता है। चाहे साधन कितने भी सीमित क्यों न हों, यदि जीवन में सत्य और सादगी है, तो वही सबसे बड़ी समृद्धि है। सरदार पटेल और मणिबेन का यह प्रसंग इस बात का सजीव प्रमाण है कि महानता महलों में नहीं, बल्कि चरित्र की ऊँचाइयों में बसती है।

विश्वास का जीवंत प्रतीक: नागालैंड का खोनोमा गांव

आज जब दुनिया में चोरी, धोखाधड़ी और बेईमानी की खबरें हर रोज़ सुर्खियाँ बनती हैं, तब भारत के उत्तर-पूर्व में एक ऐसा गांव है जो मानवता और ईमानदारी पर विश्वास को फिर से जीवित कर देता है। नागालैंड की हरी-भरी पहाड़ियों के बीच बसा खोनोमा गांव एक ऐसा स्थान है, जहाँ आज भी "विश्वास" मुद्रा की तरह चलता है और "सत्य" जीवन का आधार है। खोनोमा गांव का वातावरण किसी पौराणिक कथा से कम नहीं लगता। यहाँ की गलियाँ स्वच्छ हैं, घर प्रकृति की गोद में बसे हैं, और हर चेहरे पर सादगी की एक चमक दिखाई देती है। लेकिन जो बात इस गांव को पूरे भारत में अद्वितीय बनाती है, वह है—यहाँ की दुकानों पर दुकानदार नहीं होते। गांव में कई छोटी-छोटी दुकानें हैं जहाँ अनाज, फल, सब्ज़ियाँ, हस्तनिर्मित वस्तुएँ और घरेलू सामान रखे रहते हैं। कोई दुकानदार इनकी रखवाली नहीं करता, न ही दुकानों पर कोई ताला लगाया जाता है। जो व्यक्ति जिस वस्तु की आवश्यकता महसूस करता है, वह उतनी वस्तु ले लेता है और उसके बराबर के पैसे पास में रखे बांस के डिब्बे या लकड़ी के बक्से में डाल देता है। कोई व्यक्ति यह देखने नहीं आता कि उसने सही राशि रखी या नहीं — यहाँ पूरा व्यापार "भरोसे" पर चलता है। कई बार बाहरी पर्यटक जब इस गांव में आते हैं, तो पहले तो उन्हें यह देखकर आश्चर्य होता है। उन्हें यकीन ही नहीं होता कि इस दौर में भी कोई समाज इतना ईमानदार हो सकता है। परंतु कुछ समय गाँव में बिताने के बाद वे समझ जाते हैं कि यहाँ के लोगों के लिए ईमानदारी कोई दिखावा नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही जीवन-शैली है। खोनोमा गांव न केवल विश्वास का प्रतीक है, बल्कि यह भारत का पहला "ग्रीन विलेज" (Green Village) भी है। यहाँ के निवासियों ने वर्षों पहले ही यह निर्णय ले लिया था कि वे प्रकृति का दोहन नहीं करेंगे। उन्होंने पेड़ों की अंधाधुंध कटाई बंद कर दी, शिकार पर रोक लगाई और पर्यावरण संरक्षण को अपने सामाजिक नियम का हिस्सा बना लिया। इस कारण यह गांव हरे-भरे जंगलों, साफ़ हवा और निर्मल जलस्रोतों से घिरा हुआ है।

इतिहासकारों का कहना है कि खोनोमा के लोग पहले बहादुर योद्धा माने जाते थे, पर अब उनकी पहचान सत्य, पर्यावरण-प्रेम और सहयोग से होती है। यहाँ के बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि "झूठ बोलना और बेईमानी करना अपने आप को ठगने के समान है।" यही शिक्षा उन्हें एक ऐसा समाज बनाती है, जहाँ अपराध का कोई स्थान नहीं।

सबसे आश्चर्य की बात यह है कि आज तक इस गांव में न कोई चोरी की घटना हुई, न कोई धोखाधड़ी का मामला। गाँव के लोग कहते हैं—"यदि हम दूसरों पर भरोसा नहीं कर सकते, तो खुद पर भी नहीं।" यह वाक्य उनके जीवन का मूल मंत्र है।

करवा चौथ पर सजे हाथों की रौनक लाल चूड़े से निखरे सुहाग का सौंदर्य

करवा चौथ भारतीय नारी के प्रेम, आस्था और समर्पण का प्रतीक पर्व है। इस दिन सुहागिनें सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निराहार व्रत रखती हैं और चांद निकलने के बाद पति के हाथ से जल ग्रहण कर व्रत पूर्ण करती हैं। यह केवल व्रत ही नहीं बल्कि पति-पत्नी के प्रेम और उनके बंधन की गहराई का प्रतीक भी है। इस अवसर पर हर महिला चाहती है कि वह अपने पति की नजरों में सबसे सुंदर दिखे। इसलिए करवा चौथ के दिन का श्रृंगार हर महिला के लिए अत्यंत विशेष होता है, और इस श्रृंगार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है — लाल चूड़ा।

लाल चूड़ा न केवल सौंदर्य बढ़ाता है बल्कि यह सुहाग का प्रतीक भी माना जाता है। जब महिला अपने हाथों में लाल चूड़ा पहनती है, तो वह केवल आभूषण नहीं बल्कि अपने वैवाहिक जीवन की मंगलता का आशीर्वाद धारण करती है। लाल रंग को सदा से प्रेम, ऊर्जा और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है, और इसलिए करवा चौथ पर इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इन दिनों महिलाओं में वेलवेट ब्राइडल स्टोन-स्टडेड चूड़ा सेट की काफी लोकप्रियता बढ़ी है। यह चूड़ा सेट अपनी चमकदार डिज़ाइन और गहरे लाल रंग की भव्यता के कारण हाथों की खूबसूरती को निखार देता है। जब साड़ी या लहंगे के साथ इसे पहना जाता है, तो यह पूरे लुक को शाही बना देता है। इस सेट में लगे स्टोन और मोती आपकी हर हलचल के साथ चमकते हैं, जिससे आपका हर इशारा आकर्षण से भरा नजर आता है। जो महिलाएं सादगी में सुंदरता तलाशती हैं, उनके लिए आर्टिफिशियल स्टोन जड़ित रेड चूड़ा सेट एक बेहतरीन विकल्प है। यह न तो बहुत भारी होता है और न ही बहुत हल्का, लेकिन इसकी चमक और आकर्षण सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेता है। मेहंदी लगे हाथों पर यह चूड़ा ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी ने लाल गुलाबों की पंखुड़ियों को कलाई पर सजा दिया हो। मिरर वर्क रेड चूड़ा सेट भी आजकल का नया ट्रेंड है। इस सेट में लगे छोटे-छोटे शीशे जब रोशनी पड़ने पर झिलमिलाते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे हाथों में सितारे उतर आए हों। यह चूड़ा पारंपरिकता और आधुनिकता का ऐसा मेल है, जो हर परिधान के साथ जंचता है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आएं।

वृष सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें। यश बढ़ेगा। बेचैनी रहेगी।

मिथुन सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा।

कर्क यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

सिंह थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

कन्या परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

तुला भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें।

वृश्चिक आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी।

धनु जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा।

मकर आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मीन प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वक्री ग्रहों का रहस्यमय प्रभाव और मानव जीवन पर उनका अदृश्य नियंत्रण

ज्योतिष शास्त्र में जब हम ग्रहों के स्वभाव, गति और प्रभाव की चर्चा करते हैं, तो एक विशेष स्थिति सबसे अधिक रहस्यमय और गूढ़ मानी जाती है — वह है ग्रहों की वक्र अवस्था। यह वह स्थिति है जब कोई ग्रह अपनी सामान्य गति से भिन्न होकर उल्टी दिशा में चलता हुआ प्रतीत होता है। खगोल विज्ञान कहता है कि यह एक दृष्टिभ्रम है, लेकिन ज्योतिष के रहस्यवाद में यह केवल दृष्टिभ्रम नहीं बल्कि चेतन-ऊर्जा का परिवर्तन है। जब कोई ग्रह वक्री होता है, तो उसकी शक्ति सीधे बहिर्मुखी नहीं रहती। वह भीतर की ओर मुड़ जाती है, जैसे कोई साधक संसार की भीड़ से हटकर आत्म-चिंतन में चला जाए। इसी कारण वक्री ग्रह को अंतर्मुखी ग्रह कहा जाता है। उसकी दिशा उलटने का अर्थ यह नहीं कि वह निष्क्रिय हो गया है, बल्कि इसका संकेत यह है कि अब उसका कार्य बाह्य संसार में नहीं, मनुष्य के भीतर चलने वाले विचार, कर्म और संस्कारों के स्तर पर शुरू हुआ है।

सारावली ग्रंथ में कहा गया है — "वक्रोपगस्य हि दशा भ्रमयति च कुलालचक्रवत्पुरुषम्। व्यसनानि रिपुविरोधं करोति पापस्य न शुभस्य॥" अर्थात् वक्री ग्रह की दशा में मनुष्य का जीवन कुम्हार के चाक की तरह निरंतर घूमता रहता है। कभी देशाटन, कभी व्यसन, कभी शत्रु-विरोध, तो कभी अस्थिरता। शुभ ग्रह यदि वक्री हो जाए तो उसकी शुभता घट जाती है, और पाप ग्रह वक्री होकर और भी उग्र हो जाते हैं। वक्री ग्रह की दशा व्यक्ति को निरंतर गति में रखती है। उसका मन स्थिर नहीं रहता। जीवन के मार्ग पर वह बार-बार पुराने अनुभवों में लौटता है, गलतियों को दोहराता है, और फिर उनसे नई शिक्षा लेकर आगे बढ़ता है। वक्री ग्रह आत्मा को यह अनुभव कराते हैं कि विकास का मार्ग सीधा नहीं होता — वह चक्रीय है, घूर्णन में ही परिपूर्णता है। जो ग्रह जन्मकुंडली में वक्री अवस्था में हों, वे अपने प्रभाव में दोगुने होते हैं। वे अपने स्थित भाव के साथ-साथ अपने से बारहवें भाव का भी फल देते हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई ग्रह नवम भाव में वक्री है, तो वह अष्टम भाव का भी फल देगा।

इसीलिए ऐसे ग्रहों की दशा और अंतर्दशा सामान्य से भिन्न और प्रबल मानी जाती है। वक्री ग्रह व्यक्ति के जीवन में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव लाते हैं — स्थान परिवर्तन, धन-सुख में कमी, विदेश या परदेश गमन, और कभी-कभी मानसिक अस्थिरता भी। किंतु यदि वही वक्री ग्रह केंद्र, त्रिकोण या लाभ भाव में हों तो वे सम्मान, धन और यश की वृद्धि कराते हैं। वक्री ग्रह के प्रभाव को समझने के लिए हमें यह जानना होगा कि प्रत्येक ग्रह जब वक्री होता है तो उसका स्वभाव कैसे परिवर्तित होता है।

प्रियंका जैन
9769994439

न्यूज़ ब्रीफ

ड्रोन चोरी की अफवाहों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में फैलाई दहशत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी जिलों से शुरू हुई ड्रोन से चोरी की अफवाहें अब पूर्वी जिलों तक फैल गई हैं। रायबरेली से कानपुर और इटावा से बलिया तक 'ड्रोन चोर' की कहानियाँ ग्रामीण और शहरी इलाकों में दहशत और संदेह का माहौल बना रही हैं। रायबरेली में पुलिस ने शनिवार को फतेहपुर के 38 वर्षीय हरिओम की कथित तौर पर पिटाई कर हत्या करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, हरिओम मानसिक रूप से विक्षिप्त था और ससुराल जा रहा था, तभी भीड़ ने उसे ड्रोन चोरी करने वाले गिरोह का सदस्य समझकर पीटा। पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह ने बताया कि स्थानीय पुलिस को इलाके में अफवाहों की जानकारी थी। ऊंचाहार थाना प्रभारी को लापरवाही के आरोप में तबादला कर दिया गया है। कानपुर के बिधनू इलाके में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की भीड़ ने बेरहमी से पिटाई की, क्योंकि उसे ड्रोन ऑपरेटर समझ लिया गया। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि कानपुर में ड्रोन से चोरी की कोई सत्यापित घटना नहीं हुई है। उन्होंने नागरिकों से कानून को अपने हाथ में न लेने की अपील की। अफवाहें अब हमीरपुर, प्रतापगढ़, इटावा, देवरिया और बलिया तक फैल गई हैं। ग्रामीण रात को चौकसी बरत रहे हैं। हमीरपुर की पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने कहा कि किसी शिकायत की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन गांवों में भय का माहौल है। लखनऊ के अधिकारी इसे 'सामूहिक भय सिंड्रोम' बता रहे हैं। राज्य की 'यूपी-112' आपातकालीन लाइन पर ड्रोन से चोरी की सूचना देने वाले कॉल में भारी वृद्धि हुई है, जबकि वास्तविक अपराध की कोई पुष्टि नहीं हुई।

उत्तर प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था सात ट्रिलियन तक पहुंची

अयोध्या। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज का 27वां दीक्षांत समारोह रविवार को आयोजित हुआ। इस अवसर पर कृषि, शिक्षा एवं अनुसंधान राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था पिछले आठ वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़कर 2024-25 में लगभग 7 ट्रिलियन रुपए तक पहुंच गई है। राज्यमंत्री औलख ने कहा कि स्थाई कृषि और आजीविका सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग कम कर जैविक खेती को बढ़ावा देना होगा। जल संसाधनों के कुशल उपयोग के लिए ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है। वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश ने 6.68 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन किया, जो भारत के कुल उत्पादन का लगभग 18.14% है। गेहूँ: 30.84%, चावलः 14%, आलूः 33%, गन्नाः 47.3%, दलहनः 9.24%, तिलहनः 6.12% उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है।राज्य भारत में सबसे बड़ा सब्जी उत्पादक है, देश के कुल सब्जी उत्पादन का लगभग 16%। राज्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अग्रणी है।इस वर्ष विश्वविद्यालय को प्राकृतिक खेती का नोडल सेंटर नियुक्त किया गया। पिछले वर्ष NAAC में सर्वोच्च ग्रेड A++ प्राप्त किया।इस वर्ष NIRF 2025 में रैंकिंग हासिल, जिससे कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदर्शित हुई। औलख ने कहा कि राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था का यह विस्तार स्थायी उत्पादन, जैविक खेती और आधुनिक तकनीकों के सहयोग से और बढ़ सकता है। विश्वविद्यालय की भूमिका, नवाचार और अनुसंधान इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

कमजोर एवं निर्बल वर्ग के उत्थान में समर्पित है वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन: नन्दी

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन समाज के कमजोर और निर्बल वर्ग के उत्थान में पूरी तरह समर्पित है। यह विचार उन्होंने दिल्ली के एक होटल में आयोजित नेशनल कॉनक्लेव के दौरान साझा किया, जिसमें वैश्य समाज के प्रयागराज के 60 सदस्य और देश के बड़े व्यापारिक एवं सामाजिक घराने शामिल थे।

आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक ठेला और आर्थिक सहायता

वैश्य समाज के कमजोर सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नन्दी सेवा संस्थान और वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन ने प्रयागराज के 11 परिवारों को आधुनिक ठेला प्रदान किया। इसके अतिरिक्त: एक परिवार को 5 लाख ,दो परिवारों को दो-दो लाख और एक अन्य व्यापारी को व्यापार बढ़ाने के लिए 7 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस प्रकार इन परिवारों को अपने व्यवसाय और आजीविका को सुदृढ़ करने का अवसर मिलेगा।

मूक-बधिर दंपति को विशेष सहायता

नैनी क्षेत्र के संजय अग्रवाल और उनकी पत्नी, जो जन्म से मूक-बधिर हैं, को अपनी कोल्डड्रिंक, बिस्किट और नमकीन की दुकान को बढ़ाने के लिए दो लाख की आर्थिक सहायता दी गई। इसी तरह, रामलाल को आग से क्षतिग्रस्त दुकान को पुनर्स्थापित करने के लिए पाँच लाख , और अनुज अग्रहरी को व्यापार बढ़ाने के लिए सात लाख प्रदान किए गए। शहडोल की रूमा गुप्ता को भी दो लाख की मदद दी गई।

प्रतिदिन कमाने वाले 11 श्रमजीवियों को आधुनिक ठेला

वैश्य समाज के प्रयागराज निवासी 11 श्रमजीवियों को आधुनिक कार्ट-ठेला प्रदान किए गए। जिनमें शामिल हैं: शुभम साहू, राकेश कुमार केसरवानी, सीताराम चौरसिया, बुद्ध मती जायसवाल, कोमल केसरवानी, गेंदा लाल गुप्ता, अजय कुमार साहू, धनुषधारी, वीरेंद्र कुमार गुप्ता, रिकी केसरवानी और आदित्य। इस पहल से इनके परिवारों की आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को नई गति मिलेगी।

व्यापार से जोड़कर दी जा रही सहायता

मंत्री नन्दी ने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं है, बल्कि व्यापार के माध्यम से स्थायी सहयोग प्रदान करना है। यह हैण्ड होल्डिंग सपोर्ट आने वाली पीढ़ियों को भी आर्थिक प्रतिकूलताओं से मुक्त रखेगा। व्यापार वैश्य समाज के DNA का हिस्सा है।"

सम्मेलन में उपस्थित गणमान्यजन

इस अवसर पर महेश गुप्ता (केंट आरओ सिस्टम), मनोहर लाल अग्रवाल (हल्दीराम ग्रुप), नन्द किशोर अग्रवाल (क्रिस्टल ग्रुप), राजेश गुप्ता (मल्टी कलर स्टील्स ग्रुप), सुरेश गर्ग (निराला इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड), विनीत गुप्ता (लोहिया ग्रुप), पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी, अजय सिंघल (ओम लॉजिस्टिक ग्रुप), एस एस अग्रवाल (कॉन्टिनेंटल मिलकोस इंडिया लिमिटेड), सुनील गोयल, धर्मपाल अग्रवाल, बसंत बंसल, विनोद अग्रवाल, संजय सिंघानिया, बिपिन राम अग्रवाल, केसी जैन, सुशील जैन, सुभाष अग्रवाल, भूषण जैन, प्रियंका गुप्ता और दीपक सिंघल समेत अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

डासना जेल से बंदी को भगाने की साजिश नाकाम, दो पुलिसकर्मी गिरफ्तार

एजेंसी | नोएडा

जनपद गाजियाबाद में एक बार फिर खाकी वर्दी पर दाग लगा है। यूपी पुलिस के दो कॉन्स्टेबल ड्यूटी के नाम पर जेल से एक बंदी को भगाने के इरादे से अपनी निजी कार से डासना जेल पहुंचे और छह बंदियों में से सिर्फ एक बंदी को नोएडा पेशी पर ले जाने पर अड़ गए । शक होने पर इसकी सूचना पुलिस के आला अधिकारियों को जेल प्रशासन द्वारा दी गई। दोनों सिपाहियों को गिरफ्तार कर सस्पेंड कर दिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है। अपर पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि दो कांस्टेबल राहुल कुमार और सचिन पुलिस लाइन गाजियाबाद में तैनात है। इनकी ड्यूटी जेल से बंदियों को पेशी के लिए हवालात और अदालत तक लाने की थी। दिन 4 अक्टूबर 2025 को दोनों सिपाही सरकारी गाड़ी के बजाय निजी कार से डासना जेल पहुंचे थे। उस दिन 6 बंदियों की अदालत में पेशी होनी थी, लेकिन ये दोनों केवल एक ही बंदी बिजेंद्र को गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे पेशी पर ले जाने पर अड़े रहे। जेल प्रशासन को उन पर कुछ शक हुआ और जब इसकी गहनता से जांच की गई तो पता चला कि उस दिन गौतमबुद्धनगर के लिए कोई रवानगी दर्ज ही नहीं थी। डासना जेल अधीक्षक ने शक होने पर मामले की जांच कराई तो यह बड़ा खुलासा हुआ और जेल प्रशासन द्वारा उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। अपर आयुक्त ने बताया कि सूचना मिलते ही मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस लाइन के रिजर्व इंस्पेक्टर द्वारा दोनों सिपाहियों के खिलाफ थाना कविनगर में एफआईआर दर्ज कराई गई। इसके आधार पर कविनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों सिपाहियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को सस्पेंड करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सांसद रवि किशन ने हरी झंडी दिखाकर संचारी रोग नियंत्रण अभियान का किया शुभारंभ

गोरखपुर में 5 से 31 अक्टूबर तक घर-घर जागरूकता अभियान

एजेंसी | गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद में रविवार को सांसद रवि किशन शुक्ला ने कलेक्ट्रेट स्थित पर्यटन भवन से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान (5 से 31 अक्टूबर) का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। सांसद के झंडी दिखाते ही अभियान के वाहन जनजागरूकता और स्वच्छता का संदेश फैलाने के लिए रवाना हुए।

शपथ ग्रहण समारोह और नागरिकों से संकल्प

कार्यक्रम से पहले जिलाधिकारी सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सांसद ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, नगर निगम, पशुपालन और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को शपथ दिलाई। सांसद रवि किशन ने कहा 'घर-घर दस्तक अभियान—स्वस्थ व्यवहार अपनाना है, संचारी रोग को हराना है'। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं और हर गांव, वार्ड और मोहल्ले को रोगमुक्त बनाने में सहयोग करें।

दस्तक अभियान की रूपरेखा

अभियान 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा।स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बुखार, डेंगू, मलेरिया, जापानी इंसेफलाइटिस, चिकनगुनिया और अन्य संचारी रोगों से बचाव की जानकारी देंगी। बीमार व्यक्तियों को तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

उपस्थित अधिकारी और नागरिक

कार्यक्रम में विधायक विपिन सिंह, जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसीएमओ डॉ. राजेश कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र पांडेय, बीएसए रामेंद्र सिंह, डीपीआरओ नीलेश प्रताप सिंह, पार्षद अजय राय, पार्षद रढनजन्य जुगनू सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।सांसद ने कहा कि यह अभियान तभी सफल होगा जब हर नागरिक अपने घर और आसपास की स्वच्छता की जिम्मेदारी खुद उठाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता और प्रशासन एकजुट होकर काम करें, तो गोरखपुर को पूरी तरह रोगमुक्त बनाया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग की तैयारी और आंकड़े

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश झा ने बताया कि जिले में संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2025 में अब तक सिर्फ 21 इंसेफलाइटिस के मरीज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती हुए हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम हैं। डॉ. झा ने कहा कि यह प्रशासनिक प्रयासों और जन-भागीदारी का परिणाम है।

बच्चों में अनुसंधान की सोच को विकसित करना आवश्यकः आनंदीबेन पटेल

राजभवन और व्योमिका फाउंडेशन के बीच समझौता

स्पेस साइंस एंड इनोवेशन लैब स्थापित होगी

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में रविवार को राजभवन, लखनऊ में राजभवन और व्योमिका फाउंडेशन के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ। समझौते के तहत राजभवन परिसर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में लगभग साढ़े बारह लाख की लागत से "स्पेस साइंस एंड इनोवेशन लैब" स्थापित की जाएगी। यह लैब एचडीएफसी बैंक के CSR फंड से स्थापित की जा रही है।

राज्यपाल का संदेश: वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही वैज्ञानिक जिज्ञासा, अनुसंधान की प्रवृत्ति और नवाचार की सोच विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रयोगात्मक शिक्षा विद्यार्थियों को विज्ञान की व्यावहारिक समझ प्रदान करेगी और उनके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगी। राज्यपाल ने एचडीएफसी बैंक की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की निजी क्षेत्र की पहलें शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं और समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ रही हैं।

बच्चों को प्रेरित करने के उपाय

राज्यपाल ने बच्चों को कहा,'जीवन में कुछ बड़ा हासिल करने के लिए पढ़ाई को गंभीरता से लेना आवश्यक है। मेहनत से बढ़कर कोई विकल्प नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि राजभवन विद्यालय के बच्चे स्केटिंग और खेल-कूद जैसी गतिविधियों में भी रुचि ले रहे हैं। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि विद्यालय में महात्मा गांधी की आत्मकथा का एक अध्याय प्रतिदिन प्रार्थना सभा के बाद पढ़ाया जाए और उस पर विद्यार्थियों से चर्चा की जाए। उनका कहना था कि इससे बच्चों में नैतिकता और चरित्र निर्माण की भावना विकसित होगी।

उपस्थित गणमान्यजन

इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल जानी, गोविन्द यादव (चेयरमैन व्योमिका फाउंडेशन उत्तर प्रदेश), मनोज राय (वाइस प्रेसिडेंट, रिटेल ब्रांच बैंकिंग), बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, राजभवन के कर्मचारी, स्कूली बच्चे और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

देशभर में 1,000 आईटीआई को बनाया जाएगा आधुनिक और उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण केंद्र

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को आधुनिक और उद्योगोन्मुख बनाने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल एवं पीएम-सेतु योजना की शुरुआत की है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 60,000 करोड़ रुपये के निवेश से देशभर के 1,000 सरकारी आईटीआई को उन्नत प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जाएगा।

उद्योग भागीदारी के साथ बनेगा विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी)

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने बताया कि पीएम-सेतु योजना के तहत विश्वसनीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) स्थापित किए जाएंगे। ये एसपीवी प्रशिक्षण क्लस्टरों का प्रबंधन करेंगे और परिणाम-आधारित प्रशिक्षण सुनिश्चित करेंगे। मंत्रालय के अनुसार, योजना का उद्देश्य युवाओं को ऐसे कौशल से लैस करना है जो सीधे उद्योगों की मांग के अनुरूप हों। इसके तहत नए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे और मौजूदा पाठ्यक्रमों को उद्योगों के सहयोग से अद्यतन किया जाएगा।

'केंद्र एवं शाखा' मॉडल पर होगा संचालन

पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार रूपांतरण योजना) 'केंद्र एवं शाखा' मॉडल पर आधारित है। इसके अंतर्गत 200 केंद्र आईटीआई को 800 शाखा आईटीआई से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक केंद्र में उन्नत बुनियादी ढांचा, नवाचार एवं इन्क्यूबेशन केंद्र, उत्पादन इकाइयां, प्रशिक्षण सुविधाएं और नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जबकि शाखाएं इन सेवाओं का विस्तार करेंगी।

आईटीआई में अब तक का सबसे बड़ा निवेश: जयंत चौधरी

शुभारंभ अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, 'पीएम-सेतु एक अत्यंत महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी योजना है, जो भारत की कौशल क्षमता को नई दिशा देगी।' उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश के आईटीआई संस्थान 169 ट्रेडों में प्रशिक्षण दे रहे हैं और इस वर्ष करीब नौ लाख छात्रों ने राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र (NTC) प्राप्त किया है। जयंत चौधरी ने कहा, 'भारत के इतिहास में पहली बार आईटीआई में इतने बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। यह युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कौशल प्रदान करेगा।'

15 क्लस्टरों में शुरू होगा पहला चरण

योजना के पहले चरण के लिए देशभर में 15 'केंद्र एवं शाखा' क्लस्टर चुने गए हैं। इनमें सोनीपत (हरियाणा), विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश), बिजनौर और मेरठ (उत्तर प्रदेश), हरिद्वार (उत्तराखंड), उज्जैन (मध्य प्रदेश), बेंगलुरु (कर्नाटक), भरतपुर (राजस्थान), दरभंगा और पटना (बिहार), होशियारपुर (पंजाब), हैदराबाद (तेलंगाना), संभलपुर (ओडिशा), चेन्नई (तमिलनाडु) और गुवाहाटी (असम) शामिल हैं। इसके साथ ही भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर और लुधियाना में स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों को वैश्विक उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा।

मजबूती के नए शिखर पर बिटकॉइन, ऑल टाइम हाई का बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी | नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन ने आज एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। दिन के कारोबार में इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत करीब 2.7 प्रतिशत उछल कर 1,25,254.57 डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। इसके पहले इसी साल अगस्त के महीने में बिटकॉइन की कीमत 1,24,480 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची थी। इसके बाद इस क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में गिरावट आ गई। आज के कारोबार में भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2 बजे के करीब इस क्रिप्टो करेंसी ने मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। हालांकि शाम 5 बजे बिटकॉइन 1,25,233.26 डॉलर के स्तर पर पहुंचकर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में किया गया निवेश है। इसके साथ ही वॉल स्ट्रीट में आई तेजी से भी बिटकॉइन की कीमत को सहारा मिला है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिका की सत्ता संभालने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो करेंसी को लेकर कई अनुकूल नियम लागू किए हैं, जिससे बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज को काफी सपोर्ट मिला है। इसके अलावा संस्थागत निवेशकों ने भी इस साल बिटकॉइन में निवेश काफी बढ़ा दिया है, जिसकी वजह से इस क्रिप्टो करेंसी की चाल लगातार तेज बनी हुई है।

आगामी सप्ताह में सोने के दाम अस्थिर रहने का अनुमान: विश्लेषक

एजेंसी | नई दिल्ली

आने वाले सप्ताह में सोने के दामों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है। निवेशक अमेरिकी सरकार के वित्त पोषण विधेयक, श्रम बाजार के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के बयानों पर नजर रखेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (FOMC) की बैठक के विवरण जारी होने से सर्राफा बाजार की धारणा भी प्रभावित हो सकती है।

कम आंकड़ों के बावजूद अस्थिरता की उम्मीद

जेपीएम फाइनेंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने बताया कि आने वाला सप्ताह अपेक्षाकृत कम आर्थिक आंकड़ों वाला रहेगा, लेकिन अस्थिरता अधिक हो सकती है।उन्होंने कहा,'मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है, जिसके बाद नए सिरे से खरीदारी भी हो सकती है। अमेरिकी सरकार के वित्त पोषण विधेयक और श्रम बाजार के आंकड़ों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।' मेर ने बताया कि फेडरल रिजर्व प्रमुख जेरोम पॉवेल के इस सप्ताह के भाषण और FOMC के मिनट्स जारी होने से बाजार में हलचल बढ़ सकती है।

डॉलर की कमजोरी से बढ़ी कीमतें

पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में 3.5 से 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह तेजी कमजोर अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी सरकार के आंशिक शटडाउन की चिंताओं के कारण रही, जिससे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के जारी होने में देरी हुई। मेर ने कहा कि बाजार सहभागी अब इस महीने के अंत में ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीद भी कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर दिसंबर वायदा सोना पिछले सप्ताह 3,222 रुपये (2.8%) बढ़कर 1,18,113 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,18,444 के बेहद करीब रहा। अल्फा मनी के इक्विटी एवं पीएमएस प्रबंध साझेदार ज्योति प्रकाश ने कहा कि सोने की कीमतों में हालिया उछाल एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) में बढ़ती हिस्सेदारी, केंद्रीय बैंकों की नई मांग और सट्टेबाजी की मजबूत स्थिति के कारण है।

उन्होंने बताया कि त्योहारों और शादी के मौसम के चलते भारत में सितंबर माह में सोने और चांदी का आयात अगस्त की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है।

AI अपनाने से प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में बढ़ोतरी, सेवा निर्यात में सुधार की संभावना

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से बड़ा आर्थिक लाभ उठाने की स्थिति में है, जिससे देश में प्राइवेट निवेश को नई रफ्तार मिल सकती है। यह दावा विश्व बैंक की दक्षिण एशिया की मुख्य अर्थशास्त्री फ्रांजिस्का ओहन्सॉर्गे ने किया।

AI की तैयारी और तेजी से अपनाना

ओहन्सॉर्गे ने 4 अक्टूबर को मीडिया से बातचीत में बताया कि भारत का AI रेडीनेस इंडेक्स अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत ऊंचा है और लगभग विकसित देशों के स्तर के बराबर है। उन्होंने कहा कि AI का सबसे अधिक उपयोग BPO सेक्टर में देखा जा रहा है। ChatGPT के लॉन्च के बाद AI स्किल की जरूरत वाले जॉब पोस्टिंग दोगुनी हो गई हैं और अब यह नौकरियों का लगभग 12% हिस्सा हैं, जो अन्य सेक्टरों की तुलना में तीन गुना ज्यादा है।

निजी निवेश: धीमा, लेकिन मजबूत

महामारी के बाद भारत में निजी निवेश की वृद्धि थोड़ी धीमी रही, जबकि सरकारी निवेश तेजी से बढ़ा। ओहन्सॉर्गे ने कहा कि धीमी गति के बावजूद भारत में निजी निवेश ज्यादातर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि FDI अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में थोड़ी कमजोर है, लेकिन नए व्यापार समझौते और टैरिफ नीतियां मैन्युफैक्चरिंग और निवेश को बढ़ावा दे सकती हैं।

भारत को कैसे होगा फायदा

ओहन्सॉर्गे के अनुसार, मैक्सिको और वियतनाम के व्यापारिक साझेदारों के साथ उनकी अर्थव्यवस्था लगभग 50% GDP तक पहुंच चुकी है। भारत के लिए फिलहाल यह केवल 12% GDP के बराबर है। उन्होंने कहा कि अगर भारत UK, EU, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करता है, तो यह पहुंच 50% GDP तक बढ़ सकती है। उन्होंने UK ट्रेड एग्रीमेंट को पिछले दशक का सबसे महत्वाकांक्षी समझौता बताया, क्योंकि इसमें केवल टैरिफ नहीं, बल्कि सेवाओं और श्रमिक गतिशीलता (Labour Mobility) को भी शामिल किया गया है। विश्व बैंक अपनी दक्षिण एशिया रिपोर्ट 7 अक्टूबर को जारी करेगा।

डब्ल्यूपीएसी 2025

पोलैंड की लंबी कूद खिलाड़ी करोलिना को मिला कांस्य पदक

एजेंसी । नई दिल्ली

यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स (डब्ल्यूपीएसी) 2025 में रविवार को महिलाओं की लंबी कूद टी20 स्पर्धामें पोलैंड की करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दिग्गज करोलिना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5.55 मीटर रहा। पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में पोलिश एथलीट से पीछे रहने वाली ब्राजील की जिलेइडे कैसियानो दा सिल्वा और तुर्किये की फातमा दामला अल्टिन ने गति, लय और उड़ान के साथ 5.88 मीटर और 5.72 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण और रजत पदक जीता।

2011 में पदार्पण के बाद से करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का की किसी वैश्विक प्रतियोगिता में यह केवल तीसरी हार थी। उन्होंने चार विश्व चैंपियनशिप और तीन पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। हालांकि, उन्होंने कई बार 6 मीटर की छलांग लगाई है, लेकिन टखने की चोट के कारण उन्हें कांस्य पदक के लिए इस सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग से ही संतोष करना पड़ा। करोलिना ने कहा कि कांस्य पदक उन्हें स्वर्ण पदक जैसा लगा, क्योंकि वह अपने टखने की चोट से जूझ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह पसंद आया कि कैसे उन्होंने अपरिचित गर्मी और उमस में प्रतिस्पर्धा करने के बावजूद पोडियम पर बने रहने के लिए अंत तक संघर्ष किया। उन्होंने कहा, 'आज मुझे बहुत मजा आया। मैंने पोडियम पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की।'

अपील जूरी ने फैसला पलट

इस बीच रविवार सुबह अपील जूरी ने पहले के एक फैसले को पलट दिया और ब्राजीलियाई खिलाड़ी के चार अंक बहाल कर दिए। पॉलिनो डॉस सैंटोस थियागो ने पुरुषों की शॉट पुट एफ57 स्पर्धा के फाइनल में 14.82 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता और भारत के सोमन राणा को कांस्य पदक मिला। फिनलैंड के तीजो कोप्पिका को पोडियम से बाहर कर दिया। भारत के पदकों की संख्या 18 बनी हुई है, लेकिन अब उसके पास प्रत्येक रंग के छह पदक हैं और वह तालिका में सातवें स्थान पर है।

दुबे और ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से विदर्भ ने रचा इतिहास

▶▶तीसरी बार ईरानी कप का चैंपियन बना विदर्भ

नागपुर। यश ढुल की 92 रन की शानदार पारी भी शेष भारत को हार से नहीं बचा सकी। विदर्भ ने बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और तेज गेंदबाज यश ठाकुर की उम्दा गेंदबाजी के दम पर रविवार को ईरानी कप फाइनल में 93 रन से विजय दर्ज करते हुए तीसरी बार खिताब अपने नाम किया।

दिन के दूसरे सत्र में शेष भारत की पूरी टीम 267 रन पर सिमट गई। 361 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम की उम्मीदें यश ढुल (92) और मानव सुथार (56) की 104 रन की साझेदारी ने जीवित रखीं, लेकिन ठाकुर ने ढुल को आउट कर विदर्भ की जीत लगभग तय कर दी।

तनातनी का पल

ढुल के आउट होने के बाद ठाकुर और ढुल के बीच हल्की झड़प भी देखने को मिली, जब ठाकुर ने उन्हें पवेलियन लौटने का इशारा किया। अंपायर और खिलाड़ियों ने बीच में आकर मामला शांत कराया। संभावना है कि मैच रैफरी इस पर कार्रवाई करें। हर्ष दुबे ने इस मैच में 6 विकेट लिए, जबकि ठाकुर ने भी कुल 6 विकेट झटके। दोनों गेंदबाजों ने शेष भारत की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर विदर्भ को खिताबी जीत दिलाई।

तायडे बने मैन ऑफ द मैच

पहली पारी में 143 रन की शानदार पारी खेलने और यश ढुल का महत्वपूर्ण कैच लपकने के लिए अथर्व तायडे को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा, "मेरे लिए पिछले कुछ सत्र अच्छे नहीं थे, लेकिन इस बार मैंने विशेष तैयारी की थी। टीम के लिए योगदान देना हमेशा गर्व की बात है।" शेष भारत के कप्तान रजत पाटीदार ने स्वीकार किया कि उनकी टीम परिस्थितियों का सही आकलन नहीं कर पाई। उन्होंने कहा, "विदर्भ ने बेहतर प्रदर्शन किया और वे जीत के हकदार थे। हम परिस्थितियों को भांप नहीं सके, वरना मुकाबला कड़ा होता।" इंग्लैंड दौरे पर चोटिल रहे गेंदबाज आकाश दीप ने इस मैच से फिटनेस साबित की। उन्होंने 29 ओवर में तीन विकेट हासिल किए। बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन एक बार फिर बड़े मैच में असफल रहे।

भारत की अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम चीन में दो मैत्री मैच खेलेगी

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 पुरुष टीम आठ और 10 अक्टूबर को चीन की अंडर-17 टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलने के लिए बीजिंग जाएंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को यह जानकारी दी। ये दोनों मैच खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे। एक हफ्ते से कुछ अधिक समय पहले सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप जीतने वाली बिबियानो फर्नांडिज की भारतीय टीम गोवा में ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा ले रही है और छह अक्टूबर को चीन पहुंचेगी।

टीम इस प्रकार हैं:

गोलकीपर: आदिल, मानसज्योति बरुआ, मारूफ शफी, राजरूप सरकार।

डिफेंडर: इंद्र राणा मागर, कोनथौजाम कोरोउ मैतेई, लॉमसांगजुआला, एमडी ऐमान बिन, युमनाम मालदीनो सिंह।

मिडफील्डर: अबरार अली बाबा, डल्लालमुओन गंगटे, निंगथौजम मुकुंदो सिंह, थांगगौमांग टौथांग, थोकचोम डाइमंड सिंह, येंगखोम नितीशकुमार मैतेई।

फारवर्ड: अजीम परवीज नजर, अजलान शाह, हीरंगनबा सेराम, ऋषिकेश चरण मनावथी, लेसविन रेबेलो, रहान अहमद, वांगखेइराकपम गुनलेइबा।

मुख्य कोच: बिबियानो फर्नांडिस।

MLS इतिहास में 40 गोल और असिस्ट करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने लियोनल मेसी

मियामी। फुटबॉल के जादूगर लियोनल मेसी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। इंटर मियामी की टीम ने न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन को 4-1 से मात दी। भले ही मेसी इस मैच में गोल नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने अपने असिस्ट और टीम योगदान के दम पर MLS (मेजर लीग सॉकर) में नया मुकाम हासिल कर लिया।

मेसी MLS इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने एक सीजन में 40 से अधिक गोल और असिस्ट पूरे किए हैं। इस सीजन में उनके कुल 41 गोल और असिस्ट दर्ज हुए हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड कार्लोस वेला के नाम था, जिन्होंने 2019 में 49 गोल और असिस्ट किए थे। मैच के 32वें मिनट में मेसी ने तादेओ अलेंदे को गोल में असिस्ट कर मियामी को शुरुआती बढ़त दिलाई। हाफ-टाइम से पहले (45+3) उन्होंने जोर्डी अल्बा के साथ बेहतरीन संयोजन बनाते हुए दूसरा गोल तैयार किया। न्यू इंग्लैंड की ओर से डोर टर्गेमैन ने 59वें मिनट में गोल किया, लेकिन एक मिनट बाद ही मेसी के असिस्ट पर अलेंदे ने अपना दूसरा गोल दाग दिया। इसके कुछ ही देर बाद (63वें मिनट में) अल्बा ने चौथा गोल कर मियामी की जीत सुनिश्चित की।

टीम के हेड कोच जेवियर मासचेरानो ने मेसी की तारीफ करते हुए कहा,'उन्होंने हमें शुरुआत में लय दी और जीत का रास्ता दिखाया। वह हमेशा अपनी क्षमता और जीतने की इच्छा से टीम को प्रेरित करते हैं।'

वेला का रिकॉर्ड अब निशाने पर

मेसी अब कार्लोस वेला के 49 गोल-असिस्ट के रिकॉर्ड के करीब पहुंच चुके हैं। उन्हें इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए दो और मैच मिलेंगे, जिनमें पहला मुकाबला शनिवार को अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ होगा। इंटर मियामी 59 अंकों के साथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर है। टॉप-4 में बने रहने पर टीम को 2025 एमएलएस कप प्लेऑफ के पहले दौर में घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

कानपुर में ऑस्ट्रेलियाई ए टीम के चार खिलाड़ी बीमार, बीसीसीआई ने मांगी रिपोर्ट

कानपुर। इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच चल रही वनडे सीरीज के बीच शुक्रवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। कानपुर में ऑस्ट्रेलिया ए टीम के चार खिलाड़ी अचानक बीमार पड़ गए। बताया जा रहा है कि खिलाड़ियों को तेज पेट दर्द और संक्रमण की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, टीम कानपुर के लैंडमार्क होटल में ठहरी हुई है, जहां खिलाड़ियों को होटल का ही खाना परोसा जा रहा था। आशंका जताई जा रही है कि खाने से संक्रमण फैला। इस घटना के बाद खाद्य विभाग की टीम सक्रिय हो गई और होटल से खाने के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, "लैंडमार्क होटल कानपुर का सबसे अच्छा होटल है। अगर खाने में कोई कमी होती, तो सभी खिलाड़ी बीमार पड़ते। संभव है कि कुछ खिलाड़ी किसी अन्य कारण या जगह से संक्रमित हुए हों।"

होटल प्रबंधन ने दी सफाई

वहीं, होटल प्रबंधन का कहना है कि खिलाड़ियों की तबीयत खाने से नहीं बल्कि मौसम के बदलाव की वजह से बिगड़ी है। सभी बीमार खिलाड़ियों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और थॉर्नटन की हालत भी अब स्थिर बताई जा रही है। इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। अंतिम और निर्णायक मुकाबला 5 अक्टूबर को कानपुर में खेला जाएगा।

बॉ ली वु ड

'कांतारा चैप्टर 1' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा बरकरार

साउथ सिनेमा के शानदार अभिनेता और फिल्ममेकर ऋषभ शेट्टी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने रिलीज़ के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया है। दर्शक न केवल फिल्म की कहानी और दमदार विजुअल्स के दीवाने हो गए हैं, बल्कि ऋषभ के इंटेंस परफॉर्मेंस ने हर किसी को रोमांचित कर दिया है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने तीसरे दिन 55 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही यह फिल्म अब 150 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। भारत में 'कांतारा चैप्टर 1' का कुल कलेक्शन 162.85 करोड़ रुपये पहुंच गया है। पहले दिन फिल्म ने 61.85 करोड़ और दूसरे दिन 46 करोड़ रुपये कमाए थे। महज 125 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म तीसरे ही दिन लागत निकालकर मुनाफे की राह पर चल पड़ी है।

फिल्म 2022 में आई ब्लॉकबस्टर 'कांतारा' का प्रीक्वल है, जिसने सिर्फ 15 करोड़ रुपये की लागत में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की वैश्विक कमाई कर सिनेमा इतिहास रच दिया था। 'कांतारा चैप्टर 1' में ऋषभ शेट्टी ने न केवल अभिनय किया है बल्कि निर्देशन और सह-निर्माण की जिम्मेदारी भी निभाई है। कहानी कर्नाटक के काल्पनिक गांव कांतारा और उसके रहस्यमय जंगलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो भारतीय परंपरा, लोककथाओं और संस्कृति का अनोखा मिश्रण पेश करती है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी के साथ गुलशन देवैया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

'कांतारा चैप्टर 1' को कन्नड़, हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी कुल सात भाषाओं में रिलीज़ किया गया है, ताकि देश और विदेश के दर्शक इस रहस्यमय यात्रा का हिस्सा बन सकें। सबसे खास बात यह है कि फिल्म की सफलता के साथ ही मेकर्स ने तीसरे भाग की घोषणा भी कर दी है। अगला अध्याय 'कांतारा चैप्टर 2' नाम से रिलीज़ होगा, जिसकी कहानी और भी रोमांचक बताई जा रही है।

सोशल मीडिया पर छाया 'तेरे इश्क में'

बॉलीवुड सितारों ने की तारीफ

आनंद एल राय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तेरे इश्क में' का टीज़र रिलीज़ होते ही इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है। सोशल मीडिया पर दर्शक इसकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं, वहीं फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सितारे भी इस टीज़र की जमकर सराहना कर रहे हैं।

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने निर्देशक आनंद एल राय को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, 'आनंद एल राय जी को ढेर सारी शुभकामनाएं।' अमिताभ बच्चन के इस संदेश ने कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं और फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी। साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने भी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में टीज़र की तारीफ करते हुए लिखा, 'टीज़र बहुत पसंद आया! कृति सेनन और धनुष को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हूं!' उनकी इस उत्साहित प्रतिक्रिया ने फिल्म के प्रति दर्शकों के जोश को नई ऊंचाई दे दी। वहीं अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'पिछली बार मुझे ये जलन 'एनिमल' ट्रेलर में महसूस हुई थी, मैं एक छोटे शहर से हूं, और टीज़र का आखिरी डायलॉग मेरे दिमाग में चुभ गया।' उनका यह पोस्ट भी फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

टीज़र रिलीज़ के कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली। इसे अब तक 25 मिलियन से अधिक व्यूज़ मिल चुके हैं और यह हिंदी भाषा में यूट्यूब पर नंबर 1 ट्रेंड कर रहा है। 'तेरे इश्क में' को गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येलो प्रोडक्शन्स ने प्रस्तुत किया है। फिल्म का निर्माण आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है। पटकथा हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है, जबकि निर्देशन का जिम्मा आनंद एल राय ने संभाला है। ए.आर. रहमान के संगीत और इरशाद कामिल के गीतों से सजी यह फिल्म, धनुष और कृति सेनन की जोड़ी के साथ 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल में विश्वभर में रिलीज़ होगी।

सुपर डांसर 5 में मिथुन दा का सम्मान

'आई एम ए डिस्को डांसर' पर शिल्पा शेट्टी संग मंच पर मचाया धमाल!

भारतीय सिनेमा के डिस्को किंग मिथुन चक्रवर्ती के 50 सालों के फिल्मी करियर का भव्य जश्न 'सुपर डांसर चैप्टर 5' के मंच पर मनाया गया। शो के एक खास एपिसोड में न केवल मिथुन दा की उपलब्धियों को सलाम किया गया, बल्कि शो की जज शिल्पा शेट्टी ने उन्हें ट्रिब्यूट देते हुए उनके आइकॉनिक गाने 'आई एम ए डिस्को डांसर' पर जबरदस्त परफॉर्मेंस दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस एपिसोड के प्रोमो में देखा जा सकता है कि शिल्पा और मिथुन दा की जोड़ी ने मंच पर ऐसी एनर्जी दिखाई कि बाकी जज – गीता कपूर और मर्जी पेस्टनजी भी अपनी सीटों से उठकर नाचने लगे।

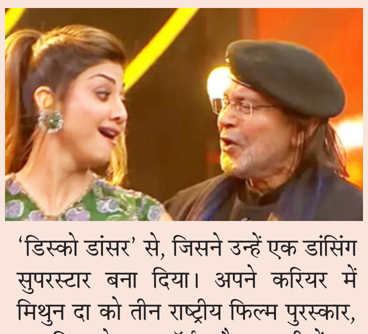

मिथुन चक्रवर्ती का फिल्मी सफर 1976 में शुरू हुआ, जब उन्हें मृणाल सेन की फिल्म 'मृगया' के लिए पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। लेकिन उन्हें देशव्यापी पहचान मिली 1982 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'डिस्को डांसर' से, जिसने उन्हें एक डांसिंग सुपरस्टार बना दिया। अपने करियर में मिथुन दा को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार फिल्मफेयर अवॉर्ड, और हाल ही में पद्म भूषण जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। हाल की फिल्मों 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द बंगाल फाइल्स' में भी उनके दमदार अभिनय को सराहा गया।

टेलीविजन पर भी उनका जलवा कायम रहा है। वह 'डांस इंडिया डांस' में ग्रैंड मास्टर की भूमिका में नज़र आए, जहां उनकी सलाह और अनुभव ने नई पीढ़ी के डांसर्स को प्रेरित किया।

अरबाज खान बने पिता, पत्नी शूरा खान ने बेटी को दिया जन्म

अभिनेता, निर्माता और निर्देशक अरबाज खान के घर खुशियों ने दस्तक दी है। 4 अक्टूबर की दोपहर यह खबर सामने आई कि उनकी पत्नी शूरा खान को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोनों को साथ में अस्पताल पहुंचते देखा गया था और अब आखिरकार कपल ने अपनी पहली संतान का स्वागत कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अरबाज और शूरा एक बेटी के माता-पिता बन गए हैं। हालांकि, अरबाज खान की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन परिवार और करीबी सूत्रों ने इस खुशखबरी की पुष्टि की है।

गौरतलब है कि इसी साल जून में अरबाज ने अपनी पत्नी की प्रेग्नेंसी की खबर पर मोहर लगाई थी। उस दौरान उन्होंने कहा था, 'मैं थोड़ा घबराया हुआ हूं और खुश भी हूं। कई साल बाद पिता बनने जा रहा हूं, इसलिए ये मेरे लिए बेहद खास अहसास है। ये मुझे खुशी और जिम्मेदारी का नया अनुभव दे रहा है, जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'अरबाज खान ने 1998 में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा से शादी की थी, लेकिन 2017 में दोनों का तलाक हो गया। इस शादी से उनका एक बेटा है, अरहान खान, जिसका जन्म 2002 में हुआ था। मलाइका से अलग होने के बाद अरबाज का नाम मॉडल जॉर्जिया एंड्रियानी के साथ जुड़ा, जिनसे उनका रिश्ता 2019 में सार्वजनिक हुआ था, हालांकि बाद में दोनों अलग हो गए।

स्वाद

ज्योति अग्रवाल

स्नातक (B.Sc) एवं परास्नातक (M.A) की शिक्षा प्राप्त की है तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण की है। राज्य सेवा एवं केंद्रीय सेवा में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, मुंबई के पद पर कार्यरत हैं।

बेयरूट, कफ परेड

मुंबई में मध्य पूर्वी जायके की खुशबू

अगर आप खाने के शौकीन हैं, तो समझ लीजिए बेयरूट आप के लिए जन्नत है। यहां के स्वाद में आपको मध्य पूर्वी जायके की खुशबू मिलेगी। कुछ जायकों को देखने भर से ही मुंह में पानी आ जाएगा। सेब्जे तबागी, फालाफल शावरमा, हमस विद पीटा ब्रेड, रोज़ भुखारी...इन्हें खाकर आप उंगलियां तो पक्का चाटते रह जाएंगे।

स्वाद

मिस्र, लेबनान, ग्रीस और तुर्की खाने का अद्भुत सम्मिश्रण। सेब्जे तबागी, फालाफल शावरमा, हमस विद पीटा ब्रेड, रोज़ भुखारी, मिल्क केक जैसे जायकों की खुशबु खाने के शौकीन लोगों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है।

डेकोर

खूबसूरती से सजाए गए इस रेस्तरां के माहौल और सजावट में अरबी थीम शामिल है। मोरक्को के प्रिंट वाले सोफे, दीवारों पर सजी तुर्की कला और अरबी कला के फर्श इसकी सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं।

आओ चलें

मीनू मैनर बिल्डिंग 7, कैप्टन प्रकाश पेठे मार्ग, बधवार पार्क, अपोलो बंदर, कफ परेड, मुंबई, महाराष्ट्र

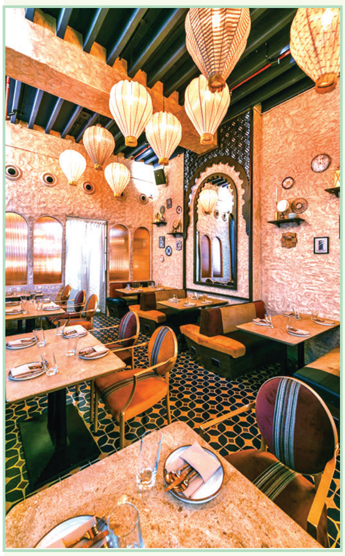

हाल ही में मुझे अपने सहयोगियों के साथ कफ परेड स्थित बेयरूट (Bayroute) जाने का मौका मिला, और यह अनुभव बेहद आनंददायक रहा। रेस्टोरेंट का माहौल गर्मजोशी भरा, स्वागतपूर्ण और खूबसूरती से मध्य-पूर्वी अंदाज़ मं सजा हुआ था, जिसने खाने का मूड बिल्कुल सही बना दिया।

लाजवाब पकवान

हमने शुरुआत की सेब्ज़े तबागी (Sebze Tabagi) से — जिसमें आलू के क्रिस्प्स, फालाफल टिक्की, पनीर टिक्का और दही की डिप्स का शानदार प्लेटर था। यह तरह-तरह के स्वाद और टेक्सचर के साथ भोजन की बेहतरीन शुरुआत साबित हुआ। फालाफल शावरमा और हमस विद पीटा ब्रेड तो मानो पूरे खाने की शान थे...ताज़ा, असली स्वाद और लाजवाब पेशकश। एक और खास डिश रही रोज़ भुखारी (Roz Bhukari) — यह राइस डिश बाकी व्यंजनों के साथ बहुत अच्छी तरह मेल खा रही थी। डेज़र्ट में हमने मिल्क केक ट्राय किया, जो वहाँ की सबसे लोकप्रिय मिठाइयों में से एक है। इसकी प्रस्तुति और अनोखापन काबिले-तारीफ था, लेकिन एक मीठा पसंद करने वाले के तौर पर मुझे इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं लगा जितनी उम्मीद थी। फिर भी, यह पारंपरिक डेज़र्ट्स से अलग और ताज़गीभरा अनुभव था।

बेहतरीन रही सर्विस

सर्विस की बात करें तो वह भी बेहतरीन रही। मैनेजर पूरे समय सतर्क रहे, उन्होंने मेनू के बारे में अच्छी तरह समझाया और बेस्ट डिशेज़ सुझाईं। खाना समय पर, गरमागरम और बेहद खूबसूरती से परोसा गया। अनुभव को और खास बना दिया शेफ विठोबा पवार की मौजूदगी ने — वे खुद हमारी टेबल पर आए और फीडबैक लिया, जो उनकी मेहमाननवाज़ी का शानदार उदाहरण था।

जरूर जाएँ

कुल मिलाकर, बेयरूट अपने असली स्वाद, उत्कृष्ट सेवा और आकर्षक माहौल से पूरी तरह प्रभावित करता है। अगर आप मुंबई में मिडिल ईस्ट के असली स्वाद का अनुभव लेना चाहते हैं, तो यह जगह जरूर जाएँ। हमस प्लेटर और फालाफल शावरमा ज़रूर ट्राय करें। कीमत थोड़ी ज्यादा है, लेकिन स्वाद लाजवाब।

'10 साल का ब्राह्मण, 100 क्षत्रिय का पिता': स्वामी प्रसाद मौर्य

योगी सरकार पर तीखा हमला

एजेंसी । अमेठी

पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी (एजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने रविवार को अमेठी में एक जनसभा के दौरान विवादास्पद बयान देते हुए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर सीधा हमला बोला। मंच से बोलते हुए मौर्य ने कहा कि 'संस्कृत में लिखा है कि 10 साल का ब्राह्मण, 100 साल के क्षत्रिय का पिता होता है।' इस टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ सकती हैं। सभा को संबोधित करते हुए मौर्य ने एक श्लोक का हवाला देते हुए क्षत्रिय समाज पर टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने ब्राह्मणों को उच्चतर बताया गया। उन्होंने इस कथन को जातीय असमानता का प्रतीक बताया और कहा कि "अब समय आ गया है कि ऐसी मानसिकता को चुनौती दी जाए।"

2027 चुनाव को लेकर एलान

मौर्य ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए किसी दल से गठबंधन करना पड़ा, तो वे इसके लिए भी तैयार हैं। अपने संबोधन में मौर्य ने धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि 'देश भारतीय संविधान से चलेगा, किसी ढोंगी बाबा के कहने से नहीं।' उन्होंने यह भी कहा कि देश को आज़ाद कराने में सभी धर्मों और जातियों के लोगों ने योगदान दिया है।

योगी सरकार पर जंगलराज का आरोप

मौर्य ने उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सपा नेता गायत्री प्रसाद प्रजापति पर जेल में हुए हमले का ज़िक्र करते हुए कहा कि 'आज प्रदेश में जंगलराज है, जेल के भीतर भी लोग सुरक्षित नहीं हैं।' उन्होंने इसे प्रशासनिक विफलता बताया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार 'हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद' जैसे भावनात्मक मुद्दों को लगातार ज़िंदा रखना चाहती है।

मौर्य का राजनीतिक सफर और विवादों से नाता

स्वामी प्रसाद मौर्य का राजनीतिक सफर विवादों से भरा रहा है। वह अब तक पांच बार विधायक, विपक्ष के नेता और कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2022 में उन्होंने भाजपा छोड़कर सपा का दामन थामा और फाजिलनगर से विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन पराजित हुए। इसके बाद उन्होंने सपा भी छोड़ दी और राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) की स्थापना की। हाल ही में उन्होंने अपनी जनता पार्टी (एजेपी) का गठन किया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में वह कुशीनगर से आरएसएसपी के टिकट पर मैदान में उतरे थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

बरेली हिंसा की जांच को लेकर आप का प्रतिनिधिमंडल 7 को बरेली में

▶▶ संजय सिंह ने की घोषणा

एजेंसी । बरेली

26 सितंबर को बरेली में 'I Love Muhammad' को लेकर हुए विवाद और उसके बाद फैली सांप्रदायिक अशांति को लेकर राजनीति तेज़ हो गई है। इस घटनाक्रम में अब आम आदमी पार्टी ने एक 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बरेली भेजने की घोषणा की है। पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को इस दौरे की जानकारी दी। संजय सिंह ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल 7 अक्टूबर को बरेली का दौरा करेगा। इसका उद्देश्य घटना की निष्पक्ष जांच, पीड़ित पक्षों से संवाद और प्रशासनिक कार्रवाई की समीक्षा करना है। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि ₹सरकार पीड़ितों की आवाज़ को दबा रही है, इसलिए AAP का कर्तव्य है कि वह सच सामने लाए।₹

हिंसा बीजेपी सरकार की साजिश

संजय सिंह ने बरेली में हुई घटना को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि 'यह सब एक सोची-समझी साजिश है, ताकि जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके।' साथ ही उन्होंने प्रशासन द्वारा मुस्लिम समुदाय के घरों पर बुलडोज़र कार्रवाई को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की खुली अवहेलना बताया। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने चेतावनी दी कि यदि यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो बिना वैधानिक प्रक्रिया के बुलडोज़र चलवाने वाले अफसरों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी संविधान और न्याय के पक्ष में खड़ी है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख चेहरे

आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों और क्षेत्रों से जुड़े वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस सूची में निम्न प्रमुख नाम हैं:

- दिलीप पांडेय – प्रदेश सह प्रभारी,सोमेंद्र ढाका – पश्चिम प्रांत अध्यक्ष,मो. हैदर – रुहेलखंड प्रांत अध्यक्ष,इमरान लतीफ – बौद्ध प्रांत अध्यक्ष
- नीलम यादव – महिला विंग अध्यक्ष,डॉ. छवि यादव – पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष,पंकज अवाना – यूथ विंग अध्यक्ष,कमांडो अशोक – किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष
- फैसल खान लाला – प्रदेश प्रवक्ता,राम सिंह मौर्या – बरेली जिलाध्यक्ष,विनय सिंह – पंचायत प्रकोष्ठ अध्यक्ष और अन्य प्रांत प्रभारी और पदाधिकारी भी इस दौरे में सम्मिलित होंगे।

सपा प्रतिनिधिमंडल को रोके जाने पर उठे सवाल

आम आदमी पार्टी के दौरे से पहले समाजवादी पार्टी भी 4 अक्टूबर को 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बरेली जाने का प्रयास कर चुकी है, लेकिन पुलिस ने उन्हें गाजीपुर बॉर्डर पर रोक लिया। इस पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि "भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है।" अब AAP प्रतिनिधिमंडल को प्रशासनिक अनुमति मिलेगी या नहीं, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आम आदमी पार्टी का यह दौरा एक रणनीतिक कदम है, जिससे पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी मौजूदगी और जनाधार को मजबूत करना चाहती है।

भूटान में भारतीय सेना का बचाव अभियान

बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया

एजेंसी । फुनशोलिंग (भूटान)

बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव के कारण हुई भारी वर्षा से तोरसा नदी उफान पर आ गई, जिसके चलते पश्चिम बंगाल और भूटान के कई इलाके जलमग्न हो गए। इस आपात स्थिति के बीच 05 अक्टूबर को भूटान के फुनशोलिंग क्षेत्र से आपात निकासी की मांग मिलने पर भारतीय सेना ने तेजी से प्रतिक्रिया देते हुए सिवोक

रोड एविएशन बेस से दो हेलिकॉप्टरों को राहत एवं बचाव अभियान के लिए रवाना किया। भारतीय सेना के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) की ओर से दी गयी।

विकसित यूपी @2047 के लिए जनता की भागीदारी बढ़ी

अब तक 24.5 लाख से अधिक सुझाव, शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक रुचि

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक 'समर्थ' और 'विकसित' राज्य बनाने के लिए चलाया जा रहा 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान' जनसहभागिता का नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। अभियान के तहत अब तक 24.5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हो चुके हैं, जो यह दर्शाता है कि

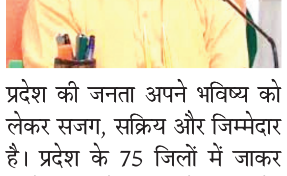

प्रदेश की जनता अपने भविष्य को लेकर सजग, सक्रिय और जिम्मेदार है। प्रदेश के 75 जिलों में जाकर छात्रों, शिक्षकों, उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों के बीच संवाद स्थापित किया है।

इन जिलों से मिला सबसे अधिक फीडबैक

सुझाव देने में संभल, महाराजगंज, जौनपुर, सोनभद्र और हरदोई जिलों के नागरिक सबसे आगे रहे, जबकि फिरोजाबाद, महोबा, ललितपुर, इटावा और बुलंदशहर से अपेक्षाकृत कम सुझाव प्राप्त हुए।

नागरिकों ने दिए ठोस और व्यावहारिक सुझाव

आगरा के राकेश कुमार सोनी ने सुझाव दिया कि यदि जनप्रतिनिधियों और सरकारी कर्मचारियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में अनिवार्य रूप से पढ़ें तो शिक्षा व्यवस्था स्वतः मजबूत हो जाएगी।